जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, बुधवार 15 अक्टूबर, 2025

69 वर्षों का विश्वास

VOCAL FOR LOCAL

OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

घर में साफ़-सफ़ाई और मन में विश्वास
आपके आँगन हो लक्ष्मी का वास

हैप्पी टच ब्रूम | सिल्वर ब्रूम | डायमंड ब्रूम | गोल्ड ब्रूम

ओसवाल फूल झाड़ू की विशेषताएँ

- मज़बूत हैंडल
- पकड़ने में आसान
- ज़्यादा चले
- मिट्टी कम उड़े
- बेहतर क्वालिटी के घास से बनी
- हर तरह की सतह पर इस्तेमाल योग्य

तीन हैप्पी टच ब्रूम की खरीद पर एक हैप्पी टच ब्रूम फ्री*

तीन डायमंड ब्रूम की खरीद पर एक डायमंड ब्रूम फ्री*

तीन गोल्ड ब्रूम की खरीद पर एक गोल्ड ब्रूम फ्री*

अन्य झाड़ू उत्पाद

ओसवाल सींक झाड़ू (मोती) | ओसवाल सींक झाड़ू (पन्ना) | ओसवाल स्मार्ट प्लास्टिक झाड़ू (प्लेटिनम) | हैप्पी टच झाड़ू (गोल्ड) | हैप्पी टच झाड़ू (डबल डायमंड) | हैप्पी टच झाड़ू (क्वीन)

Oswal ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चन्द देसराज

अब घर बैठे मँगवाये ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या स्कैन करें और ओसवाल ऐप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

नकली माल से सावधान

MercuryDesign.in

विचार बिन्दु

दानी कभी दुःख नहीं पाता, उसे कभी पाप नहीं घेरता। –ऋग्वेद

ठीक हो सकने वाले बच्चों के कैंसर उपचार में मदद

कैंसर का नाम सुनते ही मन में भय, अनिश्चितता, और संघर्ष की छवि उभरती है। एक ओर जहां आधुनिक चिकित्सा अनुसंधानों ने विभिन्न प्रकार के कैंसर के इलाज से इस दुर्दान्त व्याधि को नियंत्रित कर जीवन प्रत्याशा को बढ़ाना संभव किया है, वहीं दूसरी ओर यह इलाज इतना महंगा होता है कि गरीब और आर्थिक दृष्टि से कमजोर लोग उसे वहन ही नहीं कर सकते। खासकर निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए, इस बीमारी का इलाज एक भारी आर्थिक बोझ बन कर उन्हें तोड़ देता है। इसीलिए कहा जाता है कि कैंसर का रोग मरीज को तो तबाह करता ही है, उसके परिवार को भी आर्थिक दृष्टि से तबाह कर देता है। कैंसर की बीमारी के अनेक रूप हैं। वह क्यों होता है इस पर भी चिकित्सा जगत के अनुसंधानकर्ता किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं। वे इतना जरूर साफ तौर पर जानते हैं कि मानव शरीर में कोशिकाओं के विभाजन से नई कोशिकाओं का बनना और नष्ट होना एक सामान्य, नियमित तथा संतुलित अनिवार्य प्रक्रिया है। मगर जब यह प्रक्रिया बिगड़ जाती है तब कोशिकाओं का सामान्य विभाजन होकर नई कोशिकाओं का बनना अनियंत्रित हो जाता है और नई कोशिकाओं के बनने का विस्फोट हो जाता है। यह शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। जब कोशिकाओं का विस्फोट होता है तब वह अतिरिक्त कोशिकाएं पीड़ादायक गांठ का रूप धरण कर लेती है। इसी को कैंसर की गांठ कहते हैं।

वैज्ञानिक अनुसंधानों ने ऐसा होने के अनेक कारक खोजे हैं जिनमें धूम्रपान, तंबाकू तथा शराब का सेवन प्रमुख रूप से शामिल हैं। हालांकि कैंसर के इलाज में चिकित्सा विज्ञान ने बहुत प्रगति की है किन्तु अब भी यह व्याधि असाध्य रोग के रूप में ही बनी हुई है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों में होने वाले कैंसर का एक आशावादी पक्ष यह है कि उनमें होने वाले विभिन्न प्रकार के रक्त कैंसर में अधिकतर कैंसर पूरी तरह ठीक होने योग्य होते हैं। ठीक हुआ हर बच्चा सिर्फ़ एक बचा हुआ जीवन नहीं होता हैवह एक पुनर्स्थापित भविष्य भी होता है। गरीबी या आर्थिक तंगी के कारण किसी बच्चे को इलाज योग्य कैंसर से मरने देना कोई भी अच्छा समाज स्वीकार नहीं कर सकता है। ऐसा न हो इसका मानवीय और सामाजिक दायित्व बनता है जिसे जयपुर में भगवान महावीर कैंसर अस्पताल निभा रहा है। वहां जीवनदान निधि परियोजना चलती है जिसका उद्देश्य कैंसर से जूझ रहे बच्चों के गरीब परिवारों को, जो अपने सीमित आर्थिक स्थिति के कारण इस बीमारी के महंगे इलाज की चुनौती का सामना कर पाने में असमर्थ हैं, का मुफ़्त इलाज करना है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार कैन्सर ग्रस्त एक बच्चे के इलाज पर लगभग 5 लाख रुपये का खर्च आता है जो कई परिवारों के लिए असंभव राशि होती है। पैसे की कमी के कारण किसी बच्चे को इलाज से वंचित करना न केवल दुखद है, बल्कि समाज की विफलता भी है। इस निधि की स्थापना इसी स्थिति को बदलने के लिए की गई है। भगवान महावीर कैंसर अस्पताल के ट्रस्टियों की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के साथ 2014 में गरीब परिवारों के 10 बच्चों को सहायता के लिए चुनने के साथ इस परियोजना की शुरुआत हुई। बाद में इसे बढ़ाकर सालाना 20 बच्चों तक कर दिया गया। जीवनदान निधि से बच्चों में होने वाले तीन प्रकार के रक्त कैंसरों का नि:शुल्क उपचार किया जाता है जिनके बारे में माना जाता है कि उचित इलाज से मरीज के कैन्सर मुक्त होने की दर बहुत अधिक है। यह कैंसर हैं:–एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया, एक्यूट प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया, और हॉजकिन्स लिंफोमा। कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) साझेदारियां और व्यक्तिगत दानदाता इस परियोजना की रीढ़ बने। इंडसइंड बैंक ने 5 वर्षों में 5.25 करोड़ रुपये की सीएसआर सहायता प्रदान की, और उसके बराबर ही व्यक्तिगत दानदाताओं ने भी आर्थिक योगदान दिया जिससे यह काम चल पा रहा है।

जीवनदान निधि का अब तक का प्रभाव बहुत उत्साहवर्धक है। इस साल जून माह तक 272 बच्चों का इलाज के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुसार चयन किया गया। इनमें से 168 बच्चे सफलतापूर्वक कैंसर व्याधि से ठीक हो चुके हैं और अब स्वस्थ, सामान्य जीवन जी रहे हैं। अभी आठ बच्चे उपचाराधीन हैं, और उनकी भी प्रगति उत्साहजनक है। इलाज के बाद भी मरीज की नियमित जांच भी इसमें शामिल है क्योंकि कैंसर के फिर उभर जाने का अंदेशा बना रहता है। भगवान महावीर कैंसर अस्पताल की यह पहल एक राह सुझाती है कि यदि सब मिल कर मदद करें तो बहुत कुछ हो सकता है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कोई भी ऐसा बच्चा न छूटे जिसका कैंसर ठीक हो सकता हो। किसी भी अस्पताल या संस्था द्वारा मानवीयता और सामाजिक संवेदनशीलता से कैंसर रोगियों के लिये कोई पहल की जाती है तो उसका व्यापक प्रचार होना चाहिए ताकि उनसे प्रेरणा पाकर और संस्थाएं भी ऐसी पहल करने आगे आयें। मगर कृपण मीडिया में ऐसी खबरों के लिए कोई स्थान नहीं होता। इसका नतीजा यह होता है कि समाज में हो रही अच्छी बातों से आमजन अनजान रह जाते हैं। जीवनदान निधि में एक एक बच्चे के इलाज के लिए पांच लाख रुपये का व्यक्तिगत दान देने वाले दाता तैयार किये जाते हैं। ऐसी पहलें और भी हों उसके लिए ऐसी योजनाओं के सफलतापूर्वक संचालन के लिए एक स्थिर और विश्वसनीय वित्तीय आधार आवश्यक होता है। यह आधार सरकारी सहायता, निजी संस्थाओं तथा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योगदान से संभव है। जीवनदान निधि योजना अब तक अपनी सार्थकता सिद्ध कर चुकी है। इस प्रकार की पहल ने न केवल कैंसर पीड़ित बच्चों के परिवारों पर आर्थिक बोझ को कम किया है, बल्कि उन परिवारों को एक संघर्ष के दौरान आशा देने का भी काम किया है, जो इलाज की लागत के चलते हार मान सकते थे। जीवनदान निधि न केवल चिकित्सा क्षेत्र में एक उदारता है, बल्कि वह हमें यह याद दिलाती है कि समाज की सहभागिता से बहुत कुछ संभव है। इस प्रकार की परोपकारी योजनाएं सन्देश देती हैं कि संवेदनशील संस्थाएं चिकित्सा-उपकार और सामाजिक न्याय को साथ लेकर चल सकती हैं।

यहां मीडिया की भूमिका भी आती है कि वह ऐसे कामों के प्रति पहुंच एवं जागरूकता पैदा करे। केवल चिकित्सा सहायता ही काफी नहीं होगी; रोगी और परिवारों को मानसिक स्वास्थ्य, पुनर्वास, सामाजिक समायोजन आदि सहायता भी चाहिए जिसके लिए शासन और समाज को मिल कर काम करना होगा। अस्पताल के सहयोग से मनोचिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता, पुनर्वास कर्मी, पोषण विशेषज्ञ आदि को भी इस अभियान में शामिल करना होगा।

हालांकि इस परियोजना ने उल्लेखनीय काम किया है, फिर भी यह एक छोटा कदम है, मगर वह एक राह दिखाता है। कैंसर की समस्या बहुत बड़ी है और उसके इलाज की चुनौति उससे भी बड़ी है। ऐसी सफलता को दीर्घकाल तक सुनिश्चित करने के कदम उठाने की समय की मांग है। इसके लिए लिए अनेक चुनौतियों का सामना करना होगा। जैसे फंड की अस्थिरता एवं संसाधन की कमी। सामाजिक कल्याण योजनाएं अक्सर समय-समय पर वित्तीय दबाव का सामना करती हैं। इसलिए ऐसी पहलों में निरंतर दान एवं समर्थन सुनिश्चित करना आवश्यक होता है। इसके लिए सरकार, निगमों एवं व्यक्तिगत दाताओं के साथ साझेदारी बढ़ाई जासकती है। फंड की पारदर्शिता तथा उसकी नियमित रिपोर्टिंग प्रणाली से ऐसा संभव है जैसा कि भगवान महावीर कैंसर अस्पताल की जीवन दान निधि की व्यवस्था में होता है। यह सुनिश्चित करना भी मुश्किल हो सकता है कि सहायता का दायरा कैसे निर्धारित हो - सभी रोगियों को देने से संसाधन बिखर सकते हैं। लेकिन एक स्पष्ट व न्यायसंगत चयन प्रक्रिया बने जिसमें सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, बीमारी का स्तर, पारिवारिक स्थिति आदि को मापा जाए तो ऐसी अनेक पहलें हो सकती हैं। यहां मीडिया की भूमिका भी आती है कि वह ऐसे कामों के प्रति पहुंच एवं जागरूकता पैदा करे। केवल चिकित्सा सहायता ही काफी नहीं होगी; रोगी और परिवारों को मानसिक स्वास्थ्य, पुनर्वास, सामाजिक समायोजन आदि सहायता भी चाहिए जिसके लिए शासन और समाज को मिल कर काम करना होगा। अस्पताल के सहयोग से मनोचिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता, पुनर्वास कर्मी, पोषण विशेषज्ञ आदि को भी इस अभियान में शामिल करना होगा। कैंसर कभी-कभी लौटकर भी आ सकता है; ऐसे में निशुल्क देखभाल की व्यवस्था बनाए रखनी होगी जैसा जीवनदान निधि से होता है। इसके लिए नियमित फॉलो-अप सिस्टम, दूरस्थ सलाह-सहायता व घर-आधारित संभाल के काम विभिन्न संस्थाएं आपस में बांट सकती हैं। ऐसे मॉडल भी बनाए जा सकते हैं जिनमें छोटे स्तर पर भी व्यक्तिगत योगदान दिया जा सकता है। वह धन, समय, स्वैच्छिक सेवा किसी का भी हो सकता है। लेकिन सबसे बढ़ कर है नीति एवं शासन का सहयोग। स्वास्थ्य एक मौलिक मानव अधिकार है, और भारतीय संविधान नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रावधान करता है। संविधान का अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) को सुप्रीम कोर्ट ने स्वस्थ जीवन जीने के अधिकार के रूप में व्याख्यायित किया है। राज्य नीति निदेशक तत्व (अनुच्छेद 47) में राज्य को सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और पोषण सुधारने का निर्देश दिया गया है। इसलिए राज्य एवं केंद्र सरकार को इस तरह की पहलों को बढ़ावा देना चाहिए। भगवान महावीर कैंसर अस्पताल, जयपुर की जीवनदान परियोजना एक प्रेरणादायी उदाहरण है कि किस तरह सामाजिक संवेदनशीलता, दान, और चिकित्सकीय उत्कृष्टता मिलकर जिंदगियां बचा सकती हैं। ऐसे प्रयास न केवल आर्थिक रूप से कमजोर रोगियों को राहत देते हैं, बल्कि समाज को मानवीय भी बनाते हैं। ऐसे प्रयासों को बढ़ाने की दिशा में सोचने की बहुत आवश्यकता है। सरकार, संस्थाओं और नागरिकों को इस मिशन के साथ खड़े होना चाहिए, ताकि एक स्वस्थ समाज की नींव पक्की हो सके और 'जीवनदान' को शब्द से करामात में बदला जा सके। जब हम एक-दूसरे का हाथ थामते हैं, तब ही जीवनदान जैसा आदर्श सफल हो सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

"गिव अप अभियान" : जरूरतमंदों तक पहुंचा लाभ, अपात्रों पर सख्ती

राजस्थान में अब तक 39 लाख से अधिक अपात्र व्यक्तियों ने स्वेच्छा से योजना छोड़ी

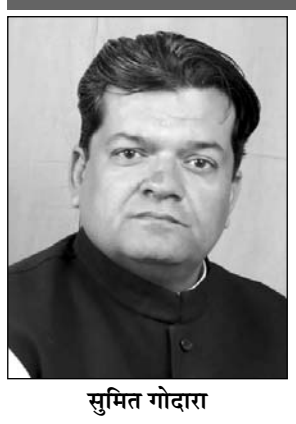

सुमित गोदारा

सामाजिक न्याय की दिशा की दृष्टि से राजस्थान सरकार का "गिव अप अभियान" अत्यंत महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शुरू इस पहल का उद्देश्य असल हकदारों को खाद्य सुरक्षा का लाभ दिलाना और अपात्रों को सूची से हटाना है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की मूल भावना भी यही है कि गरीब का निवाला केवल उसी तक पहुँचे, जिसके पास जीवन-यापन के लिए पर्याप्त साधन नहीं। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए राजस्थान में अब तक 39 लाख से अधिक अपात्र व्यक्तियों ने स्वेच्छा से योजना छोड़ी है। साथ ही ई-केवाईसी न कराने वाले 27 लाख से अधिक व्यक्तियों के नाम स्वत: हट गये। इस पहल से गरीबों के लिए जगह बनी और आज तक 66 लाख से अधिक नए पात्र किंतु वंचित व्यक्ति खाद्य सुरक्षा से जुड़ चुके हैं। यह उपलब्धि दर्शाती है कि राज्य सरकार का फोकस सही दिशा में है।

राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सूची से जुड़ते ही पात्र परिवारों को केवल सस्ती दर पर अनाज ही न मिले, बल्कि अन्य योजनाओं का लाभ भी स्वत: मिल सके। मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत 450 रुपए में 12 गैस सिलेंडर, आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के तहत 10 लाख का कवच और मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत नि:शुल्क चिकित्सा जैसी सुविधाएं गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठा रही है।

"गिव अप अभियान" की सबसे बड़ी उपलब्धि नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना है। अब पात्र परिवार ई-मित्र केंद्र या सीधे ... पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। शहरी और ठामीण स्तर पर जांच दल गठित हैं और जिला कलेक्टरों को भी नाम जोड़ने का अधिकार दिया गया है। पहली बार प्रक्रिया इतनी आसान हुई है कि कोई भी पात्र परिवार अब वंचित नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि गरीब का हक अपात्र के पास नहीं जाना चाहिए। इसी के तहत अब अपात्रों पर सख्त कार्रवाई होगी। स्वेच्छा से गिव अप नहीं करने वाले अपात्रों की सूची सार्वजनिक कर उन्हें नोटिस दिये जायेगें तथा वसूली भी की जायेगी। सरकार ने अपात्रता की स्पष्ट परिभाषा भी तय की है। सरकारी सेवा में कार्यरत सदस्य वाले, आयकरदाता, और चारपहिया वाहन रखने वाले परिवार खाद्य सुरक्षा के दायरे से बाहर रहेंगे। अभियान की सफलता के लिए विभागीय निगरानी भी कड़ी की गई है। संबंधित अधिकारियों को फील्ड में साप्ताहिक और पाक्षिक प्रवास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सोशल मीडिया और स्थानीय भाषाओं में व्यापक प्रचार-प्रसार कर जनता को जागरूक किया जा रहा है।

"गिव अप अभियान" केवल प्रशासनिक कार्यवाही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का प्रतीक बन गया है। सक्षम लोगों का त्याग और जरूरतमंदों की खुशी ही इस पहल की असली ताकत है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह निर्देश कि जरूरतमंदों को योजना से जोड़ो और अपात्रों को हटाओ अब जमीन पर हकीकत बन रहा है। यह अभियान न सिर्फ राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल है। इस मॉडल से यह स्पष्ट संदेश जाता है कि अगर प्रशासन और समाज मिलकर काम करें, तो कोई भी गरीब अपने हक से वंचित नहीं रह सकता।

सुमित गोदारा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री, राजस्थान सरकार

सहज, सरल और सुलभ न्याय पर खरे उतरते तीन नए कानून

नरेन्द्र कटारा

गुलामी की जंजीर तोड़ते तीन नए आपराधिक कानून इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाते हैं कि मोदी सरकार का यह ईज ऑफ जस्टिस की दिशा में अग्रगामी कदम है। तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही भारतीय दण्ड संहिता, दण्ड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लिया हैं। गुलामी की आपराधिक कानूनों में बदलाव की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी और खासबात यह कि उस संहिता की खामियों से वाकिफ होने के बावजूद उसमें बदलाव के लिए पूर्व सरकारें हिम्मत नहीं दिखा पा रही थी। जुलाई 24 में तीन काननू लागू करके प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी और गृह मत्री अमित शाह ने सरकार की इच्छा शक्ति दिखा दी वहीं देश में त्वरित न्याय की दिशा में लोगों के विश्वास को जीतने का प्रयास किया है। पुरानी व्यवस्था में समय पर बल्कि यह कहें कि न्याय पाना मुश्किल भरा काम था। न्याय के दर तक पहुंचना ही आम आदमी के लिए मुश्किल था। कभी कार्य क्षेत्र के चक्कर में पुलिस थानों में दर दर भटकना पड़ता तो एफआईआर लिखवाने तक मुश्किल भरा काम होने से आमजन में विश्वास के स्थान पर भय के हालात ही देखने को मिल रहे थे। ऐसे में नये काननू आपराधिक न्यायप्रणाली में बदलाव की दिशा में बढ़ता कदम होने के साथ ही प्रगतिशील कदम माना जा रहा है।

गृहमंत्री अमित शाह ने 13 अक्टूबर को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित कार्यक्रम में स्पष्ट संदेश दिया कि नई कानून व्यवस्था से आपराधिक न्याय प्रणाली न्याय से प्रेरित होने के साथ ही शीघ्र और समय पर न्याय मिलने के दिशा में बढ़ता कदम बन गया है। तीन साल में न्याय की व्यवस्था के साथ ही लोगों में विश्वास जगाने का यह सफल प्रयास है। अभी साल भर पहले ही पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराने में ही एड़ी चोटी का जोर और सिफारिशें लगाने की आवश्यकता होती थी तो नए कानून में व्यवस्था को सरल, सहज और तार्किक स्टेज तक बनाने वाली बनाया गया है। नए कानून में जीरो एफआईआर की व्यवस्था है यानी कि आप किसी भी थाने में कहीं पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कोई भी थानाधिकारी आपके रिपोर्ट लिखने से मना नहीं कर सकता। कार्यक्षेत्र का बहाना नहीं चल सकता। जीरो एफआईआर का मतलब यह है कि एफआईआर दर्ज हो जाएगी और फिर संबंधित थानें में उसे कार्रवाई के लिए भेज दिया जाएगा। इसी तरह से थानों के चक्कर लगाने से मुक्ति का प्रावधान भी नए कानून में होने से ऑनलाईन शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था है।

यदि किसी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जाता है तो गिरफ्तार व्यक्ति को अपने किसी एक परिचित को इसकी सूचना देने का अवसर दिए जाने की व्यवस्था की गई है। एफआईआर की प्रति प्राप्त करना तो आसान कर ही दिया गया है। फारेसिंक साक्ष्य जुटाने के प्रावधान है तो अपराध पर अंकुश के लिए एआई के उपयोग की व्यवस्था भी है। त्वरित न्याय के लिए 3 साल की समय सीमा तय की गई है। नए कानूनों से महिलाओं और बच्चों में न्याय की नई आश जगी है। कानून में महिलाओं और बच्चों को लेकर अपराध पर गंभीरता दिखाई गई है।

दरअसल 13 अक्टबू र को जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने साफ कर दिया है कि यह भारतीय जनता पार्टी का आपराधिक न्यायिक प्रणाली की दिशा में बड़ा कदम है। अब तक औद्योगिक विकास क लिए ईज ऑफ डूइंग की बात की जाती रही है। दुनिया के देशों का यही ट्रेंड रहा है पर भारतीय जनता पार्टी की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने इस दिशा में बडी पहल करते हुए ईज ऑफ जस्टिस की ना केवल बात की है बल्कि उसे धरातल पर उतारा है। कानूनों में बदलाव कोई एक दिन या एक आदमी के दिमाग की उपज ना होकर भारतीय जनता पार्टी के सरकार ने देश के इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, गृह विभागों के नए पुराने अधिकारियों व विशेषज्ञों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ ही जानकारों के साथ गहन मंथन किया है। देश-दुनिया के देशों के कानूनों का भी अध्ययन और मंथन किया गया। साफ होना चाहिए कि बदलते समय के साथ अपराध और अपराध की प्रकृति में भी बदलाव आता है। ऐसे में गुलामी के कानूनों को बदलने की रिस्क भारतीय जनता पार्टी और गहमंत्री अमित शाह ने लेकर देश में न्यायिक व्यवस्था को सरल, सहज और सुलभ बनाने की दिशा में पहल की है।

जयपुर में आयोजित कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि इस कार्यक्रम में पुलिस-प्रशासन से जुड़े लोगों के साथ ही कानूनविदों, युवाओं और कानून का अध्ययन कर रहे छात्रों को भी जोड़ने के साथ ही सहज और आसानी से समझ में आने वाली प्रदर्शनी के माध्यम से व्यावहारिक जानकारी देने का भी सफल और सार्थक प्रयास किया गया है। साफ है कि नए कानून तैयार करना और इन्हें लागू करना देश के कानून इतिहास में बड़ा परिवर्तनकारी प्रयास रहा है। अब पुलिस प्रशासन और कानूनविदों का दायित्व हो जाता है कि नए कानूनों की भावना के अनुसार आमआदमी को राहत प्रदान कराएं और पुलिस थाने वास्तव में लोगों के भरोसे का केन्द्र बने और न्याय के मंदिर अपराधियों को सजा और निर्दोशों को राहत के साथ ही आमनागरिकों को पुलिस और न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास जगा सके। अभी नए कानूनों को लागू हुए एक साल से कुछ अधिक ही समय हुआ है और देशभर में ओरिएंटेशन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को अवेयर भी किया जा रहा है। इससे आमलोग थानों में जाने से डरेंगे नहीं और सरकार के इकबाल पर भरोसा कायम होगा।

–नरेन्द्र कटारा,
भाजपा प्रवक्ता,
एडवोकेट राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर

मानपुरा मार्ग से दौलपुरा तक एक करोड़ की लागत से बनी सड़क एक साल में जर्जर

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ उपखण्ड में मानपुरा मार्ग से दौलपुरा तक एक करोड़ रुपये की लागत से बनी डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क घटिया निर्माण के चलते कुछ ही महीनों में जर्जर हो गई हैं। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, डामर उखड़ चुका है और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि इस जर्जर सड़क पर गत दिनों उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, माण्डलगढ़ विधायक गोपाल खण्डेलवाल के साथ प्रशासन के कई अफसरों ने सफर किया था, लेकिन सड़क के हालात बदतर होते जा रहे हैं।

मानपुरा और दौलपुरा के ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2024 में डीएमएफटी फंड से एक करोड़ से अधिक राशि की लागत से डेढ़ किलोमीटर मार्ग पर डामर और सीसी से सड़क को बनाया गया था। निर्माण के दौरान किसी भी विभागीय इंजीनियर ने पर्याप्त निरीक्षण तक नहीं किया और विभाग के ठेकेदार ने स्थानीय एक व्यक्ति से घटिया सामग्री से सड़क निर्माण कराया। ग्रामीणों ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अफसरों और ठेकेदार पर भ्रष्टाचार और लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं।

माण्डलगढ़ के दौलपुरा मार्ग पर एक करोड़ की लागत से बनी सड़क डामर एक साल में ही उखड़ गई।

- सड़क में घटिया निर्माण पर अफसरों व ठेकेदार पर ग्रामीणों ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए
- सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, डामर उखड़ चुका है, वहीं राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है
- मामले में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अफसरों से जानकारी मांगी गई तो पल्ला झाड़ते नजर आए

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया। बारिश का मौसम आते ही सड़क की डामर परत उखड़ गई और मिट्टी गिट्टी बाहर आने लगी। लोगों का आरोप है कि विभागीय अफसरों की मिलीभगत से ठेकेदार ने सरकारी राशि का दुरुपयोग किया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस सड़क से गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने की उम्मीद थी, लेकिन निर्माण के कुछ महीनों बाद ही सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई। अब यह सड़क हादसों का कारण बन चुकी है। लोगों ने सरकार और जिला प्रशासन से मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है, ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो सके और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके।

मानपुरा और दौलपुरा के ग्रामीणों की मांग है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराई जाए और ठेकेदार और संबंधित अफसरों पर कार्रवाई हो, सड़क की पुनर्निर्माण प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से कराई जाए।

इस मामले में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अफसरों से जानकारी मांगी गई तो पल्ला झाड़ते नजर आए और एक दूसरे पर जिम्मेदारी तय करते रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 15 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, पुष्य नक्षत्र दिन 12:00 तक, साध्य योग रात्रि 2:57 तक, गर करण दिन 10:34 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज ज्वालामुखी योग दिन 12:00 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 10:35 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 10:47 से 12:13 तक, चर 3:04 से 4:30 तक, लाभ 4:30 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:30, सूर्यास्त 5:55

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धन लाभ हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार और प्रयास हो सकते हैं।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण आवश्यक कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 3 प्रभात कोटा, बुधवार 15 अक्टूबर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जैसलमेर -जोधपुर हाईवे पर स्लीपर बस में आग लगी, 12 की मौत

मुख्यमंत्री जैसलमेर पहुँचे, बस में सवार 57 यात्रियों में अधिकतर 70 प्रतिशत तक झुलसे

जैसलमेर/जोधपुर, 14 अक्टूबर (नि.सं.)। जैसलमेर में जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर मंगलवार दोपहर चलती एसी स्लीपर बस में आग लग गई। आग ने भीषण रूप ले लिया। बचने के लिए यात्री चलती बस से कूद गए। हादसे में 12 लोगों की मृत्यु होने के समाचार हैं। झुलसे यात्रियों को तीन एंबुलेंस से जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां से सभी को जोधपुर रैफर कर दिया। अधिकांश यात्री 70 प्रतिशत तक झुलसे हैं।

जैसलमेर पहुंच कर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना को लेकर जिला प्रशासन से फीडबैक लिया।

जानकारी के अनुसार, बस में 57 लोग सवार थे। नगरपरिषद के असिस्टेंट फायर ऑफिसर कृष्णपालसिंह राठौड़ ने हादसे में 12 लोगों की जलने से मौत होने के समाचार दिये हैं। आग लगने का कारण बस की एसी में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

बस में आग लगने का हादसा जैसलमेर के थईयात गांव के पास हुआ। आग की लपटें और धुआं काफी ऊंचाई तक उठता रहा। बस रोजाना की तरह दोपहर करीब 3 बजे जैसलमेर से जोधपुर के लिए रवाना हुई थी। करीब 20 किलोमीटर दूर रास्ते में थईयात गांव के पास अचानक बस के पिछले हिस्से से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना मिलते ही, आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे तथा राहत कार्य शुरू किया। लोगों ने दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। झुलसे यात्रियों को तीन एंबुलेंस से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- बस में आग लगने का कारण ए.सी. में शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। गंभीर रुप से झुलसे लोगों के लिये जोधपुर तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।

जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर थईयात गांव के पास मंगलवार दोपहर एसी स्लीपर बस में भीषण आग लग गई। जिसमें 12 लोगों की मृत्यु हो गई।

प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने पर अभी भी सस्पैंस बरकरार

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी (जेएसपी) ने मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें 65 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। लेकिन इस सूची में स्वयं प्रशांत किशोर का नाम नहीं है।

पिछले सप्ताह जेएसपी ने पहली सूची जारी की थी, जिसमें 51 उम्मीदवारों के नाम थे। इस तरह पार्टी ने अब तक कुल 116 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, जिनमें से 26 सीटें आरक्षित (25 अनुसूचित जाति और 1 अनुसूचित जनजाति) के लिए हैं, जबकि 90 सीटें सामान्य श्रेणी की हैं।

जन सुराज पार्टी के उम्मीदवारों की इस सूची में बिहार के कई जिलों जैसे पटना, मधुबनी, गोपालगंज, वैशाली, नवादा और समस्तीपुर, के नाम शामिल हैं। 21 उम्मीदवारों में प्रमुख नाम हैं, संजय यादव (मधेपुरा), तौरीफरहमान (नरकटियागंज), रवि राज कुमार (हिसुआ), पुष्पा कुमारी (बनियापुर), एडवोकेट मीनू कुमारी (पटना

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- जन सुराज पार्टी के उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट में भी पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर का नाम नहीं है।

'तुम लोगों ने कैसे स्वीकार कर लिया सीटों के बंटवारे का फार्मूला'

नीतीश कुमार अपनी पार्टी के उन नेताओं से अति कुपित हैं जिन्होंने भाजपा से सीटों के बँटवारे को स्वीकृति दी थी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। बिहार में एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) में उथल-पुथल मची हुई है। जेडीयू नेता और मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीट बंटवारे के समझौते पर दोबारा बातचीत करने पर अड़े हुए हैं। वहीं, गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों - हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) के प्रमुख जीतन राम मांझी और आर एल एम (राष्ट्रीय लोक जनशक्ति मंच) के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा - ने भी असंतोष जताया है।

सोमवार को भाजपा द्वारा घोषित सीट बँटवारे के समझौते के अनुसार, 243 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा और जेडीयू दोनों को 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। चिराग पासवान के नेतृत्व वाले लोजपा (रामविलास) को 29 सीटें, तथा हम और आर एल एम को 6-6 सीटें मिली हैं।

सोमवार शाम अपने आवास पर बुलाई गई आपात बैठक में मुख्यमंत्री ने अपनी पार्टी के समझौता वार्ताकारों - संजय झा, राजीव रंजन सिंह 'ललन', और विजय चौधरी को फटकार लगाई। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार इस बात से नाराज़ हैं कि उनकी टीम ने भाजपा के साथ बराबर की सीटें स्वीकार कर लीं और साथ ही कुछ पारंपरिक जेडीयू सीटें भाजपा या लोजपा (रामविलास) को सौंप दीं। उदाहरण के लिए, भाजपा ने मुँगेर ज़िले की तारापुर सीट से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि यह सीट 2010 से जेडीयू के कब्जे में थी। चौधरी का नाम भाजपा की मंगलवार को जारी 71 उम्मीदवारों की सूची में शामिल है।

सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक समझौते पर दोबारा बातचीत नहीं होती, वे किसी भी एनडीए प्रेस कॉन्फ्रेंस में न तो खुद

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- नीतीश ने धमकी दी कि न तो वे स्वयं न उनकी पार्टी का कोई प्रतिनिधि भाजपा की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होगा जब तक सीट बँटवारे का फार्मूला नहीं खुलेगा और दुरुस्त किया जायेगा।
- नीतीश कुमार भाजपा के शीर्षस्थ नेताओं से यह पक्की व साफ घोषणा चाहते हैं कि अगर एनडीए मिलकर पुनः सरकार बनाती है तो नीतीश ही मुख्यमंत्री होंगे।
- नीतीश ने साफ कहा, कि भाजपा का गोलमोल आश्वासन, कि एनडीए नीतीश के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है, पर्याप्त नहीं है और उन्हें स्वीकार नहीं है।
- भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्रीय सरकार पर कुप्रभाव पड़ता है अगर बिहार का चुनाव एनडीए के खिलाफ गया, अतः भाजपा भी सीटों के बँटवारे को नीतीश की शर्त के अनुसार दोबारा खोलने को तैयार हो जायेगी।

आईएमएफ भारत की इकॉनमी की बढ़ाइयों के पुल बांध रहा है

आईएमएफ के अनुसार यूरोप के देशों की इकॉनमी की हालत काफी खस्ता होने वाली है भारत की तुलना में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। वॉशिंगटन में फंड-बैंक की छमाही बैठक शुरू होने के साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी "वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक" रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर बेहद सकारात्मक तस्वीर पेश की गई है।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान अब भारत की आर्थिक संभावनाओं की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि भारत की यह जोरदार प्रशंसा इन संस्थानों के प्रति भारत की उदारता को दर्शाती है। जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका, जो अब तक इन संस्थानों को सबसे ज्यादा धन राशि देता था, उसने अपने योगदान में कटौती कर दी है।

हर साल ये दोनों प्रमुख संस्थान, आईएमएफ और विश्व बैंक, दो बैठकें करते हैं, एक शरद ऋतु में और दूसरी वसंत ऋतु में। मौजूदा बैठक का उद्देश्य मौजूदा खतरों और अवसरों की समीक्षा करना है।

आईएमएफ ने भारत की 2025 की आर्थिक विकास दर का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि अगले वर्ष, यानी 2026 के लिए अनुमान 6.2 प्रतिशत रखा गया है, क्योंकि अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर ऊंचे शुल्क लगा दिए हैं।

इस मामूली गिरावट के बावजूद, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ ने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- यूरोपीय देशों की इकॉनमी, उनका व्यापार व उद्योग सदा से ही अमेरिकी बाजार व मांग पर आश्रित रहा है।
- पर भारत की इकॉनमी की ताकत है देश की स्वयं की मांग। अतः अमेरिकी टैरिफ का यहां उतना ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।
- आईएमएफ ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में स्वीकार किया है कि विकसित देशों की इकॉनमी निगेटिव रह सकती है, जिसमें अमेरिका शामिल है।
- आईएमएफ के आंकलन के अनुसार एशिया की इकॉनमी इतनी खराब नहीं होगी, और एशिया में सबसे सुदृढ़ इकॉनमी भारत की रहेगी।

हाई कोर्ट के दो न्यायाधीश दिल्ली गये, एक जयपुर आये

जयपुर, 14 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट के दो न्यायाधीशों का तबादला किया गया है, इनके अलावा एक न्यायाधीश को वापस राजस्थान हाईकोर्ट भेजा गया है।

केन्द्र सरकार ने तीन अलग-अलग आदेश जारी कर राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश दिनेश मेहता और अवनीश झिंगन का दिल्ली हाईकोर्ट तबादला किया है। वहीं, दिल्ली हाईकोर्ट में कार्यरत जस्टिस अरुण मोंगा का तबादला कर राजस्थान हाईकोर्ट भेजा गया है। जस्टिस मोंगा का गत जुलाई माह में राजस्थान हाईकोर्ट से दिल्ली तबादला किया गया था।

- राजस्थान से जस्टिस दिनेश मेहता व अवनीश झिंगन दिल्ली हाई कोर्ट गये तथा वहां के जस्टिस अरुण मोंगा का राजस्थान तबादला हो गया।

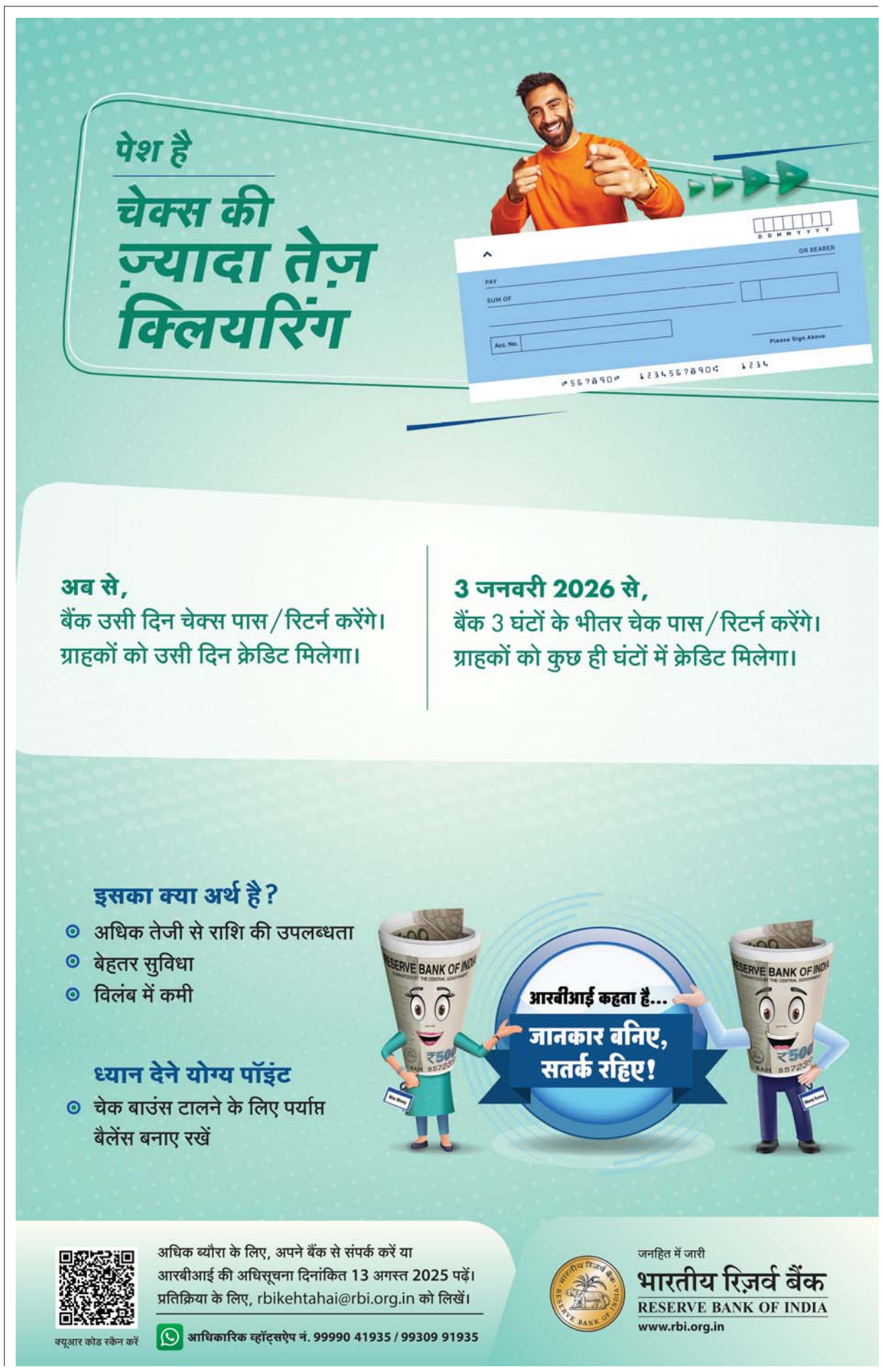

मध्यप्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में, ओ.बी.सी. कोटा अपने राज्य में बढ़ाने के लिये कई दलीलें, पंद्रह हज़ार पन्नों के शपथ पत्र के माध्यम से दीं

शपथ पत्र में सरकार ने अंबेडकर सोशल साइंस यूनिवर्सिटी (मऊ) के एक अध्ययन व शोध पत्र को कई बार उद्धृत किया।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल मध्य प्रदेश सरकार के हलफ़नामे की शुरुआत ही एक विरोधाभास से होती है। दस्तावेज़ में प्राचीन भारत को एक जातिहीन, योग्यता-आधारित समाज के रूप में गौरवान्वित किया गया है और विदेशी आक्रमणों को सामाजिक पदानुक्रम और भेदभाव लाने के लिए दोषी ठहराया गया है। यह वैदिक काल को समानता और सौहार्द का युग बताता है, लेकिन बाद में भारत की आर्थिक गिरावट का कारण किसानों और कारीगरों के जाति-आधारित शोषण को बताता है एक ऐसा अन्याय, जिसे पहले इसने अस्तित्वहीन बताया था।

यही विरोधाभास राज्य में ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने की सरकार की कानूनी दलील की नींव बनता है। इस दलील को सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के नारे और राष्ट्र-निर्माण के भाषण में लपेटा गया है।

इस रिपोर्ट की पृष्ठभूमि मध्य प्रदेश में जातिगत भेदभाव की बार-बार सामने आने वाली घटनाएँ हैं। हाल की एक घटना में दमोह में ओबीसी कुशवाहा समुदाय के एक युवक को एआई से बनाई गई तस्वीर के विवाद के चलते एक ब्राह्मण व्यक्ति के पैर धोने के लिए मजबूर किया गया।

राज्य सरकार के 15,000 पन्नों के हलफ़नामे से पता चलता है कि ऐसी घटनाएँ अपवाद नहीं हैं। हलफ़नामे में न केवल मध्य प्रदेश में जाति-आधारित भेदभाव होने को स्वीकार किया गया है, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की सिफारिश भी की गई है, जिनमें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण और लाड़ली बहना व लाड़ली बेटी जैसी कल्याणकारी योजनाओं में ओबीसी महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत कोटा शामिल है।

सरकार के प्रस्तुतिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, महू की एक गोपनीय

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- मध्यप्रदेश सरकार ओबीसी कोटा को चौदह से सत्ताईस प्रतिशत करना चाहती है।
- यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित आरक्षण, पचास प्रतिशत की सीमा लांघ कर तिरेसठ प्रतिशत हो जाती है।
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी के सर्वे में कई उदाहरण अंकित हैं, जिनमें मध्यप्रदेश में ओबीसी के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार व अपमानजनक प्रथाओं का विस्तार से विवरण दिया है।

दो हजार करोड़ के सायबर फ्रॉड से कमाई गई करोड़ों रुपये की संपत्ति कुर्क

जयपुर और श्रीगंगानगर में स्थित संपत्तियां कानूनी तौर पर जब्त की

- श्री गंगानगर पुलिस का सायबर ठगों और हिस्ट्रीशीटर पर डबल अटैक, सूरतगढ़ में हिस्ट्रीशीटर के 60 लाख के कब्जे को ध्वस्त किया
- अनुसंधान में यह सामने आया कि आरोपियों के पास कोई स्थायी आय का स्त्रोत नहीं था, फिर भी करोड़ों रुपये के प्लॉट और लग्जरी वाहन खरीदे थे

श्री गंगानगर/जयपुर। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर श्री गंगानगर पुलिस ने संगठित अपराध चाहे वह सायबर फ्रॉड हो या जमीनी स्तर का जुर्म उसके खिलाफ दो बड़ी कार्रवाइयां की हैं। जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन फ्रीज के तहत एक ओर दो हजार करोड़ के सायबर फ्रॉड से कमाई गई करोड़ों की लग्जरी संपत्ति कुर्क की गई वहीं दूसरी ओर हत्या के आरोपी हिस्ट्रीशीटर के 60 लाख के अवैध कब्जे को ध्वस्त किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि यह कार्रवाई कैपमोरएफएक्स कंपनी के नाम पर करीब 2000 करोड़ का फ्रॉड करने वाले ठगों लाजपत राय आर्य, दीपक कुमार आर्य, अजय कुमार आर्य और अन्य के खिलाफ की गई है। अनुसंधान में यह सामने आया कि आरोपियों के पास कोई स्थायी आय का स्त्रोत नहीं था, फिर भी उन्होंने करोड़ों रुपये के प्लॉट और लग्जरी वाहन खरीदे थे। यह स्पष्ट रूप से अवैध कमाई थी। इस केस में गिरफ्तार आरोपियों के साथ-साथ उनके परिजनों जैसे लाजपत राय आर्य की पत्नी रेणू बाला और फरार अजय कुमार आर्य और कर्मजीत सिंह के पिता मलकीत सिंह के नाम से खरीदी गई संपत्तियों को भी अपराध से अर्जित राशि मानकर कुर्क की कार्रवाई की गई है।

करोड़ों की संपत्तियों का विस्तृत विवरण :- पुलिस द्वारा 5 फरवरी और 11 मार्च को 2 इस्तगासों के आधार पर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने धारा 107 बीएनएसएस में पेश किए गए इस्तगासों पर त्वरित सुनवाई करते हुए 14 अक्टूबर को कुर्क के आदेश जारी किए। जयपुर और श्रीगंगानगर में स्थित ये संपत्तियां अब कानूनी तौर पर जब्त हो गई हैं। राजधानी जयपुर में अजमेर रोड स्थित आमेक्स सिटी के प्लॉट क्षेत्रफल 253.00 वर्गमीटर और ग्राम गिरधारीपुरा में अपोलो गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड के प्लॉट क्षेत्रफल 138.88 वर्गमीटर को कुर्क किया गया है। वहीं श्रीगंगानगर में पुलिस ने एक लग्जरी वाहन लेक्सस ईएस 300 एच को जब्त किया है। इसके अलावा अभियुक्तों से बरामद की गई ऑनलाइन ठगी की कुल 10 लाख संदिग्ध राशि को भी कुर्क किया गया है। स्थानीय चक 7 ई छोटी, मानवी इन्कलेव में स्थित 20 गुणा 80 फीट के दो भूखंड भी कुर्क के दायरे में आए हैं।

सूरतगढ़ में हिस्ट्रीशीटर के अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चला : एसपी डॉ. दुहन ने बताया कि ऑपरेशन फ्रीज के दूसरे चरण में श्रीगंगानगर पुलिस ने आसिफ खान हत्याकांड के आरोपी और हत्या के प्रयास और मारपीट कर दहशत फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर पर हमला बोला। हत्यारोपी और हिस्ट्रीशीटर विकास उर्फ विक्की मील निवासी सूरतगढ़, जिसके खिलाफ 15 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं, नगर पालिका और पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में विक्की मील द्वारा नगरपालिका की भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण चारदीवारी और पशुबाड़ा को ध्वस्त किया गया। इस कार्यवाही से करीब 60 लाख कीमत का बेशकीमती प्लॉट कब्जा मुक्त करवाया गया।

डीजीपी शर्मा ने श्रीगंगानगर पुलिस की इन दोनों कार्रवाइयों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह दिखाता है कि पुलिस सिर्फ कानून की रक्षक नहीं, बल्कि समाज से अपराध और अपराधी के द्वारा अर्जित अवैध साम्राज्य को मिटाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस कांस्टेबल बना देवदूत: 25 फीट ऊंचे बंद मकान में फंसी मासूम को बचाया

पुलिस का यह कार्य सेवा-संवेदना और बहादुरी का जीवंत उदाहरण है : डीजीपी राजीव शर्मा

- बच्ची के रोने की आवाज़ सुनकर स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी कि निशा राजपूत के मकान में चार वर्षीय बच्ची बन्द है
- कांस्टेबल हजारी लाल ने बिजली के नंगे तारों की परवाह किए बिना 30 फीट लंबी सीढ़ी पर चढ़कर प्रथम मंजिल के झरोखे तक पहुंच बच्ची को बचाया

जयपुर/अलवर। राजस्थान पुलिस ने एक बार फिर सेवा-संवेदना और समर्पण की अनूठी मिसाल पेश की है। सोमवार की रात अलवर शहर में 25 फीट की ऊंचाई पर एक मकान की प्रथम मंजिल में गलती से फंसी चार वर्षीय मासूम निधि राठौड़ को पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सुरक्षित बाहर निकाल लिया। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस की इस त्वरित कार्यवाही की सराहना की है।

अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि शहर की संकरी गलियों में स्थित इस मकान की पहली मंजिल से बच्ची के रोने की आवाज़ सुनकर स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी कि निशा राजपूत के मकान में चार वर्षीय बच्ची घर के अन्दर बन्द है। मकान में लाईट नहीं है, अकेली डरी हुई बच्ची बुरी तरह रो रही है। सूचना मिलते ही थानाधिकारी विजयपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुँची। जानकारी के अनुसार मकान चारों और से बंद था। पुलिस ने पाया कि बच्ची पूरी तरह डर गई थी और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था। बच्ची को समझा-बुझाकर झरोखे तक लाया गया। यहां पर पुलिस टीम ने पूरी सतर्कता बरतते हुए कार्यवाही का निर्णय लिया और बिना 30 फीट लंबी सीढ़ी के माध्यम से बच्ची को बचाने की कार्यवाही प्रारंभ की। इस कार्यवाही में कांस्टेबल हजारी लाल ने अत्यंत बहादुरी का परिचय दिया। उन्होंने बिजली के नंगे तारों की परवाह किए बिना 30 फीट लंबी सीढ़ी पर चढ़कर प्रथम मंजिल के झरोखे तक पहुंचे। करीब 25 मिनट के इस जोखिम भरे ऑपरेशन में कांस्टेबल हजारी लाल ने बच्ची को प्यार से आवाज देकर समझा-बुझाया। फिर उसका डर कम किया और उसे झरोखे की ओर बुलाया। इसके बाद उन्होंने बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला और अपने एक हाथ से बच्ची को पकड़ लिया। एक हाथ से सीढ़ी पर संतुलन बनाते हुए नीचे उतार उसकी मां निशा देवी को सकुशल सुपुर्द कर दिया। मां निशा ने बताया कि बच्ची के पिता की इसी साल मार्च महीने में मौत हो चुकी और वह सब्जी बेचकर घर चलाती हैं। ऐसे में बच्ची घर मे अकेली थी।

इस संवेदनशीलता भरी कार्यवाही पर डीजीपी राजीव शर्मा ने पुलिस टीम और कांस्टेबल हजारी लाल की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा राजस्थान पुलिस का यह कार्य सेवा-संवेदना और समर्पण का जीवंत उदाहरण है। पुलिस सिर्फ कानून की रक्षक नहीं, समाज की संरक्षक भी है।

ट्रक की चपेट से एक की मौत

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में सड़क पर पैदल चल रहे व्यक्ति की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार प्रेम नगर अफोर्डेबल कॉलोनी निवासी वीरेन्द्र सिंह पैदल ड्यूटी पर जाते समय तेज रफ्तार ट्रक ने वीरेन्द्र सिंह को टक्कर मार दी। ट्रक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया। जहां घायल की उपचार के दौरान मौत हो गई। मंगलवार को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर समाज के लोग एकत्र हो गये और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। हंगामे की सूचना पर उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह व नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार मय जाप्ता लेकर मौके पर पहुंचे और समाज के लोगों से समझाइश की।

मां को बचाने दस वर्षीय पुत्र भी खदान में कूदा, दोनों की मौत

- बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने खदान में छलांग लगा दी थी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल क्षेत्र के भगवानपुरा गांव के पास सोमवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद के चलते एक महिला ने खदान में छलांग लगाकर अपनी जान दे दी। मां को बचाने की कोशिश में उसका 10 वर्षीय पुत्र भी पानी में कूद गया, जिससे दोनों की डूबने से मौत हो गई।

घटना भगवानपुरा के समीप स्थित खदान की बताई जा रही है। मृतकों की पहचान सौदानपुरा निवासी लक्ष्मी (32) पत्नी राजू भील और उसका पुत्र दिलखुश (10) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि किसी पारिवारिक झगड़े से व्यथित होकर लक्ष्मी ने अचानक खदान में छलांग लगा दी। पास में खेल रही अन्य बच्चियों ने यह दृश्य देखा और तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही मांडल थाना पुलिस और एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची। लगभग तीन से चार घंटे के लंबे प्रयासों के बाद टीम ने मां-बेटे के शवों को पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने घटनास्थल पर जांच कर शवों को मांडल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के पीछे के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। मंगलवार सुबह मृतका के पीहर पक्ष के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और गांव में मातम का माहौल पसरा हुआ है।

कपड़ा फैक्टरी से तीन लाख का सामान चोरी : भीलवाड़ा, शहर के पुर रोड तीन नंबर चौराहा के पास स्वास्तिक प्रोसेस के समीप स्थित श्री श्रीनाथ सिंथेटिक प्राइवेट लिमिटेड कपड़ा फैक्टरी में 12 अक्टूबर की मध्यरात्रि को अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर फैक्टरी के पीछे बने नाले के रास्ते से भीतर घुसे और सोलर पैनल, बिजली के केबल समेत अन्य कीमती उपकरण चुरा ले गए। चोरी गए सामान की कीमत लगभग तीन लाख रुपए आंकी गई है।

फैक्टरी के मालिक विनोद कुमार जैन के अनुसार घटना के दौरान चोरों की गतिविधियां सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गईं। फुटेज में कुछ संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे रहे हैं, जिनकी पहचान पुलिस कर रही है। चोरी की सूचना मिलते ही प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया।

ट्रक चोर गिरफ्तार, वाहन बरामद

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने ट्रक चोरी के दर्ज मामले में दो अंतरराज्यीय वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 10 सितम्बर को फरियादी सुनील मेहता ने सेठ भामाशाह मंडी से ट्रक चोरी होने की रिपोर्ट अनंतपुरा थाने में दर्ज कराई थी। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये टीम का गठन किया गया। टीम ने 11 सितम्बर को ट्रक को लावारिस हालत में रानपुर क्षेत्र से बरामद कर लिया था, लेकिन शातिर चोर ट्रक के चार टॉयर और बैटरी चोरी करके फरार हो गये थे। टीम ने फरार चल रहे आकाश खटीक एवं बंटी को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक, वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, कोटा (राज.)

पताः- प्रथम तल जिला परिषद् भवन सीएडी कोटा, पिन कोड 324009

ई-मेल-SEWDSC.KOTA@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांकः लेखा / 2025-26/ दिनांक :

NOTICE INVITING BID NIB No 12 YEAR 2025-26

Bids for NRM/RTWHS Works, estimated value INR 262.81 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 30.10.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state. (https://eproc.rajasthan.gov.in or

NIB NO. WSC2526A0839

UBN NO.- WSC2526WSOB01434, WSC2526WSOB01435, WSC2526WSOB01436

(अशोक कुमार अम्बेश)

अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद, कोटा

DIPR/C/15112/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत्त, जयपुर

क्रमांक-2320 दिनांक-3/10/25

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26

UBN No. -WRD2526WSOB01057 NIB Code No.- WRD2526A0439

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्य Rehabilitation of New Tank Maheshwa Irrigation Project District: Karauli जिसकी अनुमानित लागत 166.01 लाख है। वित्त विभाग के नवीन नियमों के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा के माध्यम से ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रकिया हेतु आनलाईन निविदा आमत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 03.10.2025 से दिनांक 28.10. 2025 को 6.00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है। निविदा की तकनिकी बिड दिनांक 29.10.2025 को दोपहर 3.00 बजे खोली जावेगी।

निविदा से संबंधित विवरण संबंधित वेबसाईट www.waterresources.rajasthan.gov.in,http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in से देखी जा सकती है।

DIPR/C/14959/2025 अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत, जयपुर

ईंटों से भरा ट्रेलर पलटा, चालक की मौत

रतनगढ़, (निसं)। क्षेत्र में एनएच-11 पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। संगम चौराहा स्थित बीकानेर रोड ओवरब्रिज के पास ईंटों से भरा एक ट्रेलर पलट गया, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही रतनगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त कर जाम खुलवाया।घटना में ट्रेलर चालक केबिन में ही फंस गया था। कांग्रेस नेता रामवीर राईका सहित स्थानीय लोगों ने क्रेन की मदद से केबिन तोड़कर चालक को बाहर निकाला।

जानकारा अनुसार मृतक की पहचान बीकानेर जिले के रानीसर निवासी 27 वर्षीय पवन कुमार पुत्र दिलीप कुमार जाट के रूप में हुई है। वह ट्रेलर में ईंट भरकर फतेहपुर की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि रतनगढ़ क्षेत्र में प्रवेश करते समय उसे नींद की झपकी आ गई, जिससे वाहन असंतुलित होकर पलट गया। गंभीर रूप से घायल चालक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दी।

जुर्माना वसूला

भरतपुर, (निसं)। खाद्य नागरिक एवं उपभोक्ता मामले विभाग के शासन सचिव के निर्देशानुसार जिला रसद अधिकारी के निर्देशन में दीपावली के त्यौहार को देखते हुए उपभोक्ता जागरूकता अभियान-2025 चलाया जा रहा है। जिला रसद अधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि निरीक्षण दल द्वारा शहर में केनजीडी मार्ट, खण्डेलवाल स्वीट, मामा मिष्ठान भण्डार, बंसल स्वीट्स एवं नाटाणी स्वीट पर माप तौल से संबंधित विधिक माप विज्ञान अधिनियम-2009 व उसके अन्तर्गत बनाये गये नियमों के तहत जांच की गई। जांच में पायी गई विभिन्न अनियमितताओं के तहत नौ हजार रूपये का जुर्माना वसूल किया गया।

अज्ञात व्यक्ति ने फायरिंग की, एक जना घायल

- हालत गंभीर होने के बाद घायल को भीलवाड़ा रेफर कर दिया

शाहपुरा, (निसं)। शहर के व्यस्ततम त्रिमूर्ति चौराहे पर सोमवार देर रात्रि फायरिंग की घटना सामने आई है। अज्ञात व्यक्ति द्वारा अचानक की गई फायरिंग में एक व्यक्ति घायल हुआ है। घायल व्यक्ति की पहचान शाहपुरा निवासी सलीम खान के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार घायल युवक सलीम खां को तुरंत भाजपा नगर पंकज सुगंधी ने अपनी बाइक पर बिठा कर शाहपुरा चिकित्सालय पहुंचाया। सूचना मिलते ही कस्बे में अफरा-तफरी मच गई। चिकित्सालय पर परिवार जनों सहित मुस्लिम समाजजन पहुंच गए। सलीम खां की हालत गंभीर होने से बाद में भीलवाड़ा रेफर कर दिया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य, पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश बिश्नोई, थाना अधिकारी सुरेश कुमार चिकित्सालय पहुंचे। वहीं परिवार जनों ने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने त्रिमूर्ति चौराहा घटनास्थल पहुंचकर मुआयना किया। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं तथा आरोपियों की पहचान करने में जुट गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शहर में नाकाबंदी कर दी गई है। मामले में कुछ लोगों को डिटेन किया है, पूछताछ जारी है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड तारानगर

क्रमांकः डी- 1016-1025 दिनांक : 06/10/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 24/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तारानगर खण्ड के अन्तर्गत मिसिंग लिंक सड़क निर्माण कार्य कुल 01 कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हों, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन ई-निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। आर.पी.डब्ल्यू.ए.-100 की शर्त लागू होगी। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट dipr.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। SPPP पर अपलोड NIB No. PWD2526A3684 के UBN No. निम्न प्रकार है-

UBN No.- 1. PWD2526WSOB13883

(विजय प्रताप कस्वा)

अधिशाषी अभियन्ता,

सा.नि.वि. खण्ड-तारानगर

DIPR/C/14964/2025

BHARATPUR DEVELOPMENT AUTHORITY, BHARATPUR

S. No. :- Tech/BDA/2025-26/14045 - 64 Date :- 08/10/2025

EXPRESSION OF INTEREST

Prepration Of Consultancy Services For Consultancy services for Development of Keoladeo National Park Entry Plaza, along with Tourist Amenities, Service Road and Botanical garden

The Bharatpur Development Authority (BDA), Bharatpur Invites proposal for Preparation Of Consultancy services for Development of Keoladeo National Park Entry Plaza, along with Tourist Amenities, Service Road and Botanical garden. Detailed of EOI, eligibility criteria schedule and condition can be seen on **https://eproc.rajasthan.gov.in** from dated 10.10.2025 10:00 AM to 27.10.2025 at 6.00 pm.

UBN No. WAQ2526SLOB00240

Executive Engineer

BDA, Bharatpur

Raj.Samwad/C/25/12072

बलवंता ने जीता बालाजी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

नसीराबाद (निसं)। झड़वासा ग्राम पंचायत के मोतीपुरा गांव में आयोजित तीन दिवसीय बालाजी क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांचक समापन मंगलवार को हुआ। फाइनल मुकाबले में बलवंता टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए मोतीपुरा टीम को हराकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि मोतीपुरा टीम उपविजेता रही। मुख्य अतिथि प्रशासक भंवर सिंह गौड़ ने विजेता बलवंता टीम के कप्तान करण सैनी, उपविजेता टीम के कप्तान विनोद बंडोलिया और मैन ऑफ द मैच जुनैद अजमेरी - जिन्होंने शानदार सेंचुरी जड़कर दर्शकों की वाहवाही लूटी - को ट्रॉफी, माला और नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर भंवर सिंह गौड़ ने आयोजन समिति को 11,500 का नकद सहयोग प्रदान किया। वहीं प्रहलाद जोधावत और राजू ज्याणी ने भी 2100-100 का सहयोग देकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। भंवर सिंह गौड़ ने कहा कि क्रिकेट आज देश के युवाओं की पहली पसंद बन चुका है। इस खेल ने भारत को विश्व स्तर पर गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में खेल के प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

जालोर कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए लाल सिंह धानपुर और भंवर मेघवाल प्रबल दावेदार

- जिलाध्यक्ष की दौड़ में वर्तमान जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल, लालसिंह धानपुर, रमिला मेघवाल और ऊमसिंह चांदराई दावेदार बताये जा रहे हैं
- कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि इस बार आहोर विधानसभा क्षेत्र से नया जिलाध्यक्ष बनाए जाने की संभावना प्रबल है

जालोर, (कासं)। जालोर कांग्रेस कमेटी में जिलाध्यक्ष नवंबर माह में चुना जाएगा। जिलाध्यक्ष की दौड़ में वर्तमान जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल, लालसिंह धानपुर, रमिला मेघवाल और ऊमसिंह चांदराई प्रबल दावेदार है। कांग्रेस का 16वां जिलाध्यक्ष नवंबर माह में चुना जाएगा। इस पद के लिए फिलहाल चार नामों पर चर्चा जोरों पर है।

जालोर कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में एक बार फिर समीकरण बदलते दिख रहे हैं। कांग्रेस नेता लालसिंह धानपुर और वर्तमान जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल, जालोर प्रत्याशी रमिला मेघवाल व भीनमाल प्रत्याशी ऊम सिंह चांदराई इस बार मुख्य दावेदार माने जा रहे हैं। वहीं जालोर कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए महिला को मौका मिलता है तो जालोर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रही रमिला मेघवाल जिलाध्यक्ष के लिए प्रबल दावेदार है। वहीं लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत के सामने बसपा पाटी से चुनाव लड़ रह रहे लालसिंह धानपुर को चुनाव का फोर्म विड्राल करवाकर वैभव गहलोत के समर्थन करने पर लालसिंह धानपुर को कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद का ईनाम मिलने संभावना जताई जा रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार जिलाध्यक्ष पद के लिए जिन नामों पर सबसे ज्यादा चर्चा है उनमें कांग्रेस नेता लाल सिंह धानपुर, भंवरलाल मेघवाल, रमिला मेघवाल और ऊमसिंह चांदराई शामिल हैं। ये चारों नेता क्षेत्रीय स्तर पर मजबूत जनाधार रखते हैं और संगठन के पुराने कार्यकर्ता हैं।

कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि संतुलन साधने और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए इस बार आहोर विधानसभा क्षेत्र से नया जिलाध्यक्ष बनाए जाने की संभावना प्रबल है। प्रदेश नेतृत्व की प्राथमिकता प्रदेश नेतृत्व ऐसा चेहरा चाहता है जो दोनों खेमों को साथ लेकर संगठन को मजबूत कर सके, विधानसभा चुनाव 2028 तक पार्टी को मजबूती दे सके। सूत्रों के अनुसार, रायशुमारी पूरी होने के बाद नवंबर के पहले सप्ताह में घोषणा की जा सकती है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड़, जालोर

क्रमांक : अ.अ./ चि.एव.स्वा/2025-26/2177 दिनांक : 06.10.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 21/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 52.00 लाख का 1 सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधी विवरण डीआईपीआर की वैबसाईट www.dipronline.org. http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वैबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB No. MHS2526A3028

1. MHS2526WSOB04335

(राम कुमार कुर्डिया)

अधिशाषी अभियंता

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

DIPR/C/14992/2025

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2025-26/22867-80 **निविदा सूचना /2025-26** Date:14.10.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
Additional works in Attached Hospital for Medical College at Bundi, Rajasthan. UBN : RRC2526WSOB00784	346.73 Lakh	अल्पकालीन ई-432/25-26
Remaining work of Residence, L.T.,OAT, STP & Misc. Work at Medical College & Attached Hospital at Churu.UBN : RRC2526WLOB00785	866.00 Lakh	अल्पकालीन ई-433/25-26

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबंधक

कार्यालय नगर विकास न्यास जैसलमेर

क्रमांक :- नविन्यास/लेखा/जैसल/2025-26/3745 दिनांक :- 10/10/2025

निविदा सूचना संख्या अभियांत्रिकी/09/2025-26

नगर विकास न्यास, जैसलमेर की ओर से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत व अन्य विभागों में "ए", "एए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से एक कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनके UBN No. UJS2526WSOB00018 है।

निविदा से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी निविदा की शर्तें इत्यादि वेबसाईट **www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/12065 सचिव, नगर विकास न्यास, जैसलमेर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राजस्थान सरकार

कॉलेज शिक्षा विभाग

कार्यालय प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बसेड़ी (धौलपुर)

क्रमांक - रा.म.ब./स्था/2025/1431 दिनांक - 04/10/25

निविदा सूचना

इस कार्यालय द्वारा RUSA के तहत् स्वीकृत महाविद्यालय उपयोग हेतु विद्यार्थी, ऑफिस, स्मार्टक्लास रूम, कॉफ्रेंस हॉल फर्नीचर इत्यादि कार्य हेतु आवश्यक सामग्री आपूर्ति कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित की है। जिसे राज एसपीपीपी, ई प्रोक्क पोर्टल व कार्यालय में आकर देखा जा सकता है। टेण्डर की अनुमानित राशि 60 लाख रुपये है।

NIB NO- ECD 2526A0288

UBN NO-ECD 2526GLOB00300

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय बसेड़ी

DIPR/C/15310/2025

विदेश भेजने के नाम पर 6.90 लाख रुपए की ठगी

सीकर, (निसं)। सीकर के सदर थाना इलाके में विदेश भेजने के नाम पर 6.90 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पैसे लेकर फर्जी टिकट और वीजा दिया गया, अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाडलवास निवासी गोपाल सिंह ने सदर थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि 2025 में उनके दोस्त रामपाल ने उनकी बात भागूराम पुत्र अमराराम से करवाई। भागूराम ने कहा कि वह विदेश भेजने का काम करता है और सिंगापुर में रहता है। भागूराम ने कहा कि आपका कोई आदमी हो तो बताओ सिंगापुर में मेरी बड़ी कंपनियों में पकड़ है। वहां पर हर महीने दो से ढाई लाख रुपए मिलेंगे। इसके बदले में आठ लाख रुपए आपको देने होंगे और डेढ़ महीने में आपका काम हो जाएगा। इसके बाद भागूराम और गोपाल सिंह की मोबाइल और वॉट्सऐप पर बातचीत होने लगी। गोपाल सिंह को भागूराम पर विश्वास हो गया। भागूराम ने गोपाल सिंह से उसके रिश्तेदार मुकेश सिंह को विदेश भेजने के लिए डॉक्यूमेंट ले लिए। इसके बाद कुछ रुपए अपने अकाउंट और फिर अपने पार्टनर अमनदीप के अकाउंट में जमा करवाए। दोनों ने कुल 6.90 लाख रुपए ले लिए।

फर्जी वर्क परमिट और प्लेन टिकिट भेजा :- 13 अगस्त को सिंगापुर जाने के लिए फर्जी वर्क परमिट (परमिशन) और फर्जी प्लेन टिकट भेजा। जब गोपाल सिंह अपने रिश्तेदार मुकेश सिंह को लेकर एयरपोर्ट गया तो वहां उन्हें टिकट और वीजा दोनों ही फर्जी होने का पता चला। जब इस बारे में गोपाल सिंह ने भागूराम और अमनदीप से बात की तो दोनों ने पैसे लौटाने से मना कर दिया और कहा कि अब तुम मेरा क्या उखाड़ लोगे, मैं तो सिंगापुर जाने वाला हूं। गोपाल सिंह की रिपोर्ट पर सदर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई राजेश कुमार कर रहे हैं।

एईएन परीक्षा की मॉडल उत्तर कुंजी जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियंता संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के अंतर्गत विभिन्न विषयों के पेपर की मॉडल आंसर-की आयोग ने वेबसाइट पर जारी कर दी हैं। अभ्यर्थी अपनी आपत्ति बुधवार से ऑलाइन आवेदन कर दर्ज कराया सकता है, आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है। आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि सहायक अभियंता संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के विभिन्न विषयों जनरल नॉलेज एंड जनरल साइंस, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-वि.सं.11/Exam/ S.O. (Statistics Deptt.)/RPSC/EP-1/2025-26 दिनांक-14.10.2025

आयोग द्वारा सांख्यिकी विभाग के लिए राजस्थान आर्थिक एवं सांख्यिकी सेवा नियम, 1958 के अन्तर्गत सांख्यिकी अधिकारी (STATISTICAL OFFICER) के कुल 113 पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2026 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक दिनांक 28.10.2025 से दिनांक 26.11.2025 रात्रि 12-00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचनाः परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन दिनांक 14.10.2025 एवं संबंधित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन / सूचना/ स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.- 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/____/2025 (रामनिवास मेहता) सचिव

कार्यालयः- सदस्य सचिव, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, राजकीय डी. बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

Email: msdbhchuru@gmail.com, Phone: 01562-250333

क्रमांकः- लेखा/निविदा/2025/ 3210 दिनांकः- 7.10.25

खुली नीलामी बोली सूचना

इस चिकित्सालय को निम्न विवरणानुसार से सामग्री क्रय/कार्य हेतु वार्षिक दर संविदा/अनुवन्ध किया जाना है। अतः इच्छुक निविदादाताओं यथा-विर्निमाताओं/अधिकृत फर्मो/डीलरों/बोनाफाइड डीलर्स आदि से दो रूपों में निविदा प्रस्ताव यथा-तकनीकी प्रस्ताव व वित्तीय प्रस्ताव हेतु मुहरबन्द लिफाफों में निविदायें आमन्त्रित है। निविदा की शर्ते, निविदा शुल्क, अमानत राशि, अनुमानित लागत, ई निविदा प्रपत्र विक्रय/डाउनलोड कर प्रस्तुत करने/ निविदा खोलने की तिथि व समय इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी कार्यालय कार्य दिवस/समय में और वैवसाईट sppp.rajasthan.gov.in पर देखनें/डाउनलोड करनें हेतु अपलोड कर दी गयी है।

क्र.सं.	निविदा सामग्री का विवरण	UBN No.
1	गंदे कपड़ों/लिनन आदि की धुलाई कार्य	MHS2526SLOB04317
2	जोब वेसिस पर मानव संसाधन (Manpower) सेवायें उपलब्ध करवाने हेतु	MHS2526SLRC04316
3	ग्लास बोतल, ग्यास वाईल एवं WBCT ग्लास वाईल क्रय हेतु	MHS2526GSOB04312
4	ब्लड बैंक रिजेंटस क्रय	MHS2526GLRC04330

सदस्य सचिव (RMRS)

राजकीय डी.बी.सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

DIPR/C/14983/2025

राणा केवल गंभीर की वजह से भारतीय टीम में हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में इसलिए चुना गया क्योंकि हर्षित कोच की जी-हुजूरी करते हैं, इसलिए चुने गए।

- के. श्रीकांत

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, हर्षित राणा को चुने जाने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्मृति मंधाना

मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में कई शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों ने ताज़ा आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। विशाखापट्टनम में शानदार 80 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में लौटीं भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और शीर्ष पर अपनी मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं। हालांकि, कई खिलाड़ियों ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी स्थिति में सुधार किया है। इनमें ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली भी शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं ?... हाल ही में भारत में कई विश्व रिकॉर्ड बनाए गए हैं। इनमें क्रिकेट में टीम इंडिया द्वारा एक टेस्ट सीरीज़ में सबसे ज़्यादा बाउंड्री (470) लगाना शामिल है।

राहुल का अर्द्धशतक, भारत का विंडीज को दूसरे टेस्ट में सात विकेट से हराकर सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। भारत ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में मंगलवार को सात विकेट से हराकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। पांचवें दिन के खेल में उन्हें जीत के लिए सिर्फ़ 58 रनों की जरूरत थी, जिसे उन्होंने केएल राहुल के अर्धशतक की मदद से पांचवें दिन एक घंटे के भीतर ही हासिल कर लिया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपने दो विकेट गंवाने पड़े। दिन की शुरूआत में राहुल और साई सुदर्शन (39) आराम से लक्ष्य की तरफ़ बढ़ रहे थे। राहुल ने दिन के पांचवें ओवर में जोमेल वारिकन की गेंद पर आगे निकलकर मिड ऑफ के ऊपर से चौका लगाया और दिन की पहली बाउंड्री अपने नाम की। इसके बाद उन्होंने खारी पिएर के ओवर में कदमों का इस्तेमाल कर छक्का और चौका भी हासिल किया।

वहीं सुदर्शन पूरी तरह शांत रहें और जब उन्होंने रॉस्टन चेज की एक फ़ुलर गेंद को ड्राइव लगाने की कोशिश की, तो गेंद ने उनके बल्ले का बाहरी किनारा लिया और स्लिप में शाई होप ने दायीं ओर डाइव लगाकर एक बेहतरीन कैच लपका। इसके बाद आए भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने चेज को निशाना बनाते हुए कदमों का इस्तेमाल कर छक्का और चौका लगाया, लेकिन उसी ओवर में एक और छक्का मारने के चक्कर में गेंद को हवा में खेल बैठे और जस्टिन ग्रीव्स ने मिडविकेट से पीछे दौड़कर एक ख़ूबसूरत कैच अपने नाम किया। हालांकि इसके बाद आए ध्रुव जुरेल ने कोई गलती नहीं की। इस बीच राहुल ने वारिकन की गेंद को फ़ाइन लेग की ओर दो रनों के लिए खेल अपना अर्धशतक पूरा किया और वारिकन के अगले ओवर में मिडविकेट पर चौका मारकर जीत की औपचारिकता पूरी की। सीरीज में क्लीन स्वीप के बाद भारतीय टीम सीमित ओवर सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी।

संक्षिप्त स्कोर :भारत 518/5 और 124/3 (राहुल 58, सुदर्शन 39, चेज 2-36) ने वेस्टइंडीज़ 248 और 390 (कैंपबेल 115, होप 103, ग्रीव्स 50, बुमराह 3-44, कुलदीप 3-104) को सात विकेट से हराया।

संजू सैमसन की केरल की रणजी टीम में वापसी

तिरुवनंतपुरम, 14 अक्टूबर। संजू सैमसन का नाम केरल की रणजी ट्रॉफी टीम में वापस आ गया है और इसके साथ ही उत्सुकता, उत्साह और शांत जिज्ञासा की लहर आ गई है। केरल 15 अक्टूबर से तिरुवनंतपुरम में अपने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच में महाराष्ट्र का सामना करने के लिए तैयार है, ऐसे में विकेटकीपर-बल्लेबाज की लाल गेंद क्रिकेट में वापसी एक तरह से घर वापसी और सामंजस्य दोनों का प्रतीक है। संजू सैमसन को आखिरी बार प्रथम श्रेणी मैच खेले हुए लगभग एक साल हो गया है, उनका पिछला मैच कर्नाटक के खिलाफ था। पिछले एक साल में, उनका ध्यान मुख्य रूप से सफेद गेंद के प्रारूपों पर केंद्रित रहा है, जिसमें उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का नेतृत्व किया और भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी शामिल रहे। अब, जब वह एक बार फिर केरल की सफेद जर्सी पहन रहे हैं, तो सैमसन के पास लाल गेंद क्रिकेट की मांग वाले कौशल और धैर्य को फिर से दिखाने का मौका है। केरल के चयनकर्ताओं ने कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन को सौंप दी है, जबकि बाबा अपराजित को उप-कप्तान बनाया गया है। यह कदम टीम के निरंतरता पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है।

घर में सर्वाधिक टेस्ट जीतने के मामले में तीसरे नंबर पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। भारत ने दिल्ली टेस्ट के पांचवें दिन सुबह जीत के लिए आवश्यक 58 रन आसानी से हासिल कर लिए और सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। वेस्टइंडीज यह देखकर संतुष्ट हो सकता है कि उन्होंने इस साल का अपना सबसे मजबूत बल्लेबाज़ी प्रदर्शन करते हुए मैच को पांचवें दिन तक खींचा, लेकिन भारत की जीत पर कभी कोई खतरा नहीं था। इसके साथ ही भारत ने सीरीज स्वीप के साथ कई रिकॉर्ड्स भी बनाए। एक नजर मैच से जुड़े अहम आंकड़ों पर। भारत अब अपने घरेलू मैदानों पर कुल 122 टेस्ट मैच जीत चुका है। इस मामले में भारत अब दक्षिण अफ्रीका (121) को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। अब भारत से आगे सिर्फ़ इंग्लैंड (241) और ऑस्ट्रेलिया (262) हैं।

भारत ने वेस्टइंडीज के ख़िलाफ अब लगातार 10 सीरीज जीत हासिल कर ली है। यह क्रम 2002 से चला आ रहा है। भारत ने अब किसी एक विपक्षी के ख़िलाफ लगातार सबसे ज़्यादा सीरीज जीतने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के साथ साझा कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका ने भी वेस्टइंडीज के ख़िलाफ 10-0 का रिकॉर्ड बनाया था। यह भारत का वेस्टइंडीज के ख़िलाफ लगातार 27वां टेस्ट रहा, जिसमें उसे हार का सामना नहीं करना पड़ा। किसी एक टीम के ख़िलाफ भारत का यह सबसे लंबा अपराजेय सिलसिला है। आख़िरी बार भारत को वेस्टइंडीज ने 2002 में हराया था।

दिल्ली में भारत लगातार 14 टेस्ट मैचों से अपराजेय है। आख़िरी बार भारत यहां 1987 में वेस्टइंडीज से हारा था। 1993 के बाद से भारत ने दिल्ली में 14 टेस्ट खेले हैं, जिनमें 12 जीते और दो ड्रॉ रहे हैं। इस नतीजे के साथ दिल्ली ने मोहाली (1997 से 13 टेस्ट) और मुंबई के ब्रेबॉर्न स्टेडियम (1948-1965 के बीच 13 टेस्ट) को पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे लंबे अपराजेय घरेलू मैदानों में शीर्ष पर जगह बनाई। ध्रुव जुरेल अब तक जितने भी टेस्ट खेले हैं, उन सभी में भारत विजेता रहा है। उन्होंने 2024 की शुरुआत में राजकोट टेस्ट (इंग्लैंड के ख़िलाफ) में डेब्यू किया था। इससे पहले भुवनेश्वर कुमार अपने पहले छह टेस्ट तक हर बार विजेता टीम का हिस्सा रहे थे। इस सीरीज में भारत ने कुल 13 विकेट गंवाए। यह किसी दो या अधिक मैचों की सीरीज में जीतते हुए भारत का संयुक्त न्यूनतम आंकड़ा है। इससे पहले 2000 में ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ दो घरेलू मैचों की टेस्ट सीरीज (1-0) में भारत ने केवल 13 विकेट खोए थे।

जीवी बैडमिंटन शिवला और मोहित मिड्ढा की जोड़ी विजेता

जयपुर, 14 अक्टूबर। ज्ञान विहार स्कूल बैडमिंटन हॉल में जी वी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट खेला गया इसमें बालक बालिका तथा सीनियर वर्ग में एकल ,युगल व मिश्रित युगल की प्रतियोगिता संपन्न हुई आयोजन सचिव अतुल गुप्ता के अनुसार पुरुष युगल में ओवेस और नितिन भारद्वाज की जोड़ी ने काव्य मानवानीऔर रूचिर जैन को फाइनल में हरा खिताब अपने नाम किया वहीं महिला युगल में मीनाक्षी व आराध्या की जोड़ी विजेता और शिवला और जानवी की जोड़ी विजेता रही मिक्स डबल्स में शिवला और मोहित मिड्ढा विजेता तथा जहान्वी व जतिन उपविजेता रहे 50 प्लस आयु वर्ग में राजेश अग्रवाल व सुधीर श्रीवास्तव की जोड़ी ने अंकित शर्मा तथा जितेंद्र राजवंशी की जोड़ी को फाइनल में हर खिताब जीता तथा खेले गए एकल मैच में पुरुष एकल में रवि विजेता तथा ओवेस उप विजेता रहे लड़कों के अंदर 15 एकल में काव्य मानवानी विजेता व नव्यांश उपविजेता रहे लड़कों के अंदर 11 एकल में वेदांश कटेवा विजेता वह हर्षवर्धन उपविजेता रहे बालिका वर्ग में अंदर 15 एकल में आराध्या विजेता व त्रिषा उप विजेता रही कार्यक्रम के अंत में प्रमुख व्यवसायी राजेश कुमार अग्रवाल व उनके पुत्र अतुल्या अग्रवाल ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी व सर्टिफिकेट बांटे इस मौके पर अकादमी के कोच कमल बिष्ट, विशाल, गणेश शर्मा तथा मैटर अतुल गुप्ता ने सभी को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

यति क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 14 अक्टूबर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में यति क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38 ओवर में 159 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। जयप्रताप ने सर्वाधिक 101 रनो का योगदान दिया। जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी की ओर से अब्दुल वाहिद और आशीर्वाद ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी 30 ओवर में 131 रन पर ऑल आउट हो गई।चिराग यादव ने सर्वाधिक 66 रनों का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से कविश अग्रवाल ने 4, प्रियांशु कुमावत और रौनक ने 2-2 विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच जयप्रताप को चुना गया।

तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा ने आसान जीत दर्ज की

गुवाहाटी, 14 अक्टूबर। पदक की दावेदार तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और रक्षिता श्री आर ने मंगलवार को यहां नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में अपने अभियान की शुरुआत आसान जीत के साथ की, जबकि चारों बालक एकल खिलाड़ी भी अगले दौर में पहुंच गए।

गिल ने इंग्लैंड में ही कप्तानी की परीक्षा को पास कर लिया था : गौतम गंभीर

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। भारतीय कोच गौतम गंभीर का कहना है कि भले ही क्रिकेट कैलेंडर बहुत व्यस्त है, लेकिन फिर भी जिस तरह से खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट को महत्व दे रहे हैं और उसकी तैयारी के लिए घरेलू क्रिकेट और ए सीरीज खेल रहे हैं, उसे देखना सुखद है। ग़ौरतलब है कि वेस्टइंडीज के ख़िलाफ सीरीज से ठीक पहले भारतीय टेस्ट दल के 15 सदस्यों में से आठ ने ऑस्ट्रेलिया ए के ख़िलाफ अनाधिकृत टेस्ट सीरीज में हिस्सा लिया था। जबकि इसके अलावा कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी जसप्रीत बुमराह सहित कुछ अन्य खिलाड़ी उस समय एशिया कप में व्यस्त थे।

2-0 से सीरीज जीत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए गंभीर ने मंगलवार को कहा, ''व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर होना खिलाड़ियों के लिए बहुत कठिन है, ख़ासकर उन खिलाड़ियों के लिए जो तीनों फ़ॉर्मेट खेल रहे हैं। लेकिन जिस तरह से इस सीरीज की तैयारियों के लिए कुछ टेस्ट खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया ए के ख़िलाफ ए सीरीज खेली, वह बहुत महत्वपूर्ण है। इसी तरह से इन खिलाड़ियों का दक्षिण अफ्रीका सीरीज़ से पहले रणजी ट्रॉफ़ी खेलना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

यह शुभमन गिल की कप्तानी में भारत की पहली टेस्ट सीरीज जीत थी। इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराया था। गिल की कप्तानी पर बात करते हुए गंभीर ने कहा, ''उन्होंने इंग्लैंड में ही कप्तानी की परीक्षा को पास कर ली थी। यह घर से दूर पांच मैचों की एक कठिन टेस्ट सीरीज थी। हमारे लिए हर टेस्ट मैच बहुत महत्वपूर्ण है। मैंने उनसे बस इतना कहा है कि वह जैसे हैं, वैसे बने रहें।

उनको कप्तान बनाकर किसी ने कोई फ़ेवर नहीं किया है। वह इसे डिजर्व करते हैं और उन्होंने इसके लिए बहुत मेहनत की है। वह हर बॉक्स को टिक करते हैं। एक कोच के रूप में मुझे ऐसा कप्तान चाहिए जो चीज़ों को सही ढंग से करे, सही चीज़ें बोलें, कठिन मेहनत करे, एक वर्क एथिक्स लाए और मैदान पर सबसे पहले उपस्थित हो। एक कोच के रूप में आपको क्या चाहिए होता है। यह एक कठिन काम है, लेकिन उन्होंने इसे बख़ूबी निभाया है।''

लेकिन क्या उनके लिए तीनों फ़ॉर्मैट खेलना एक कठिन काम नहीं है और क्या उन्हें मेंटल कंडिशनिंग कोच की जरूरत नहीं है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''जब तक वह रन बना रहे हैं, उन्हें शायद इसकी जरूरत नहीं है। वह एक अच्छे स्पेस में हैं। पूरी टीम एक अच्छे माइंडसेट में है। जब तक आपको परिणाम मिलते हैं, तब तक आप अच्छे माइंडसेट में रहते हो।

गंभीर ने 2027 का हवाला इस सवाल के भी जवाब में भी दिया, जब उनसे पूछा गया कि क्या विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा हैं? जब यही सवाल नए वनडे कप्तान शुभमन गिल से इस मैच से पहले पूछा गया था तो उन्होंने बिना किसी टूर्नामेंट का नाम लेते हुए कहा था कि इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों के टीम में रहने से निश्चित रूप से टीम को फ़ायदा होगा। वहीं गंभीर ने भी विश्व कप को लेकर कोई स्पष्टता नहीं दी।

हर्षित राणा पर सवाल उठाना शर्मनाक है : गंभीर

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। हर्षित राणा के तीनों फॉर्मेट में चयन पर लगातार हो रही आलोचनाओं पर भी भारतीय कोच गौतम गंभीर ने कठोरता से जवाब दिया है। राणा घरेलू टेस्ट सीरीज में भारतीय दल का हिस्सा तो नहीं थे, लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे और टी20 दोनों टीमों का हिस्सा हैं। पूर्व भारतीय कप्तान और पूर्व प्रमुख चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत सहित कई अन्य लोगों ने राणा के चयन की अपने यूट्यूब चैनल पर आलोचना की थी और कहा था कि उनका चयन सिर्फ़ इसलिए हुआ है क्योंकि वह गंभीर के बहुत करीब हैं। गंभीर ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''यह शर्मनाक है। आप अपना यूट्यूब चैनल चलाने के लिए किसी 23-वर्षीय बच्चे को निशाना नहीं बना सकते।

सब कुछ सही परिस्थितियों में सही विकल्प चुनने की बात है : गिल

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। भारत के कप्तान के तौर पर शुभमन गिल ने अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज पर 2-0 की जीत के बाद उन्होंने कहा कि अब वह ''टीम के सभी खिलाड़ियों को मैनेज करने की आदत डाल रहे हैं।''

प्रेजेंटेशन समारोह में उन्होंने कहा, ''यह सब कुछ सही परिस्थितियों में सही विकल्प चुनने की बात है। मैं कोशिश करता हूं कि जिस स्थिति में हम हैं, उसमें सबसे सही निर्णय लिया जाए। कभी-कभी आपको कुछ कड़े फैसले भी लेने पड़ते हैं। उस एक्स-फ़ैक्टर को चुनना होता है, जिनसे आपको रन या विकेट मिल सकते हैं।''

सात टेस्ट में चार जीत किसी भी कप्तान के लिए शानदार शुरुआत है, लेकिन जब आप भारत की कप्तानी करते हैं तो इसके साथ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आती है। दिल्ली टेस्ट में भारत ने 270 रन की बढ़त के बाद वेस्टइंडीज़ को फ़ॉलो-ऑन दिया। इसके बाद दूसरी पारी में जॉन कैंपबेल और शाई होप के बीच 177 रन की तीसरे विकेट की साझेदारी हुई और मैच पांचवें दिन तक पहुंच गया।

फ़ॉलो-ऑन के सवाल पर गिल ने कहा, ''हम लगभग 300 रन आगे थे और विकेट काफ़ी डेड था। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लें तो हमें पांचवें दिन छह या सात विकेट लेने होंगे, जो मुश्किल हो सकता था।''

नीतीश कुमार रेड्डी इस एकादश में तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर के तौर पर खेलें, लेकिन उन्होंने पूरे मैच में एक भी ओवर नहीं फेंका। गिल ने कहा, ''(उन्होंने) इस मैच में ओवर नहीं फेंका, लेकिन हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी सिर्फ़ विदेशों में ही खेलें। इससे उन पर बहुत दबाव पड़ता है। अगर हम कुछ खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें विदेशों में जीत दिला सकें, तो हमें उन्हें मौके देने होंगे।''

इस सीरीज़ में रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने एक अहम भूमिका निभाई। इसमें कुलदीप को प्लेयर ऑफ द मैच और जडेजा को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। जडेजा ने मज़ाक में हंसते हुए कहा कहा, ''मुझे (अश्विन की अनुपस्थिति में) ज़्यादा ओवर डालने का मौका मिला। हम एक टीम के रूप में बहुत अच्छा कर रहे हैं। हमें पता है कि पिछले पांच-छह महीनों से हम किस तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं। यह हमारे लिए एक अच्छा संकेत है और हम इसे लंबे समय तक जारी रख सकते हैं।''

जडेजा ने हाल के समय में बल्लेबाज़ी क्रम में ऊपर खेलना शुरू किया है और अब वह नंबर छह पर खेल रहे हैं। इस नंबर पर उनका प्रदर्शन बहुत शानदार रहा है। इंग्लैंड में उन्होंने मैनचेस्टर में एक शतक लगाया था और अब अहमदाबाद में भी उन्होंने ऐसा ही किया है। इसके साथ ही उन्होंने कई और अच्छी पारियां भी खेली हैं।

5 लाख की आबादी वाले देश ने रचा इतिहास पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। महज 5 लाख की आबादी वाले अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित छोटे से देश केप वर्डे ने इतिहास रच दिया है। केप वर्डे ने इस्वातिनी को 3-0 से हराकर पहली बार 2026 फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ये पहली बार होगा जब केप वर्डे की टीम वर्ल्ड कप खेलेगी। केप वर्डे की ओर से डेलॉन लिब्रामेंटो ने 48वें मिनट में पहला गोल दागा। इसके बाद विली सेमेडो ने 54वें मिनट में बढ़त को दोगुना किया और स्टोपिरा ने इंजरी टाइम में तीसरा गोल दागा। मैच खत्म होने के बाद मैदान पर स्टैंड्स दोनों में जश्न का माहौल था। केप वर्डे अफ्रीकी क्वालीफायर के ग्रुप डी में टॉप पर रहा और महाद्वीप से मिलने वाले नौ सीधे टिकटों में से एक हासिल किया। जनसंख्या के लिहाज से केप वर्डे अब आइसलैंड के बाद वर्ल्ड कप खेलने वाला दूसरा सबसे छोटा देश बन गया है। केप वर्डे की आबादी 5 लाख से थोड़ी ही ज्यादा होगी।

अंडर-16 ट्रॉफी : जयपुर, टोंक, जैसलमेर, हनुमानगढ़ जीती

कुमार वासुदेव, अभिनव शर्मा के शतक, यश शर्मा, गौरव, केविन, पार्थ, चेतन, आशीष, विशाल, पुलकित के अर्द्धशतक

राजस्थान - उत्तराखंड रणजी मैच कल से मिराज स्टेडियम नाथद्वारा पर खेला जायेगा

जयपुर, 14 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी आगामी राष्ट्रिय अंडर 16 ट्रॉफी के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी के आज जयपुर में खेले गए मैच का परिणाम :- जयपुर - बाड़मेर (जयपुर 268 रन से जीती), टीम के लिए कुमार वासुदेव 173, गौरव सैनी 92 व केविन 87 रन, बाड़मेर के गेंदबाज राजीव 63/3 विकेट, बाड़मेर पारी 177 आल आउट, टीम के लिए पार्थ यादव 60 व स्वरुप 36 रन, जयपुर के गेंदबाज नेत्यांश करिआ 35 /3, प्रतीक चौधरी 36/3, तेजस जोशी 13/2 व दक्ष शर्मा, रयाँ 1-1 विकेट जैसलमेर - श्रीगंगागनर (जैसलमेर 38 रन से जीती), जैसलमेर पारी 196 आल आउट, टीम के लिए चेतन 52 व करण 48 रन, श्रीगंगानगर के गेंदबाज आदित्य 33/5 विकेट, श्रीगंगानगर पारी 158 आल आउट, टीम के लिए रेयांश 46 रन, जैसलमेर के गेंदबाज करण जांगिड़ 30/5

टोंक - सीकर (टोंक 161 रन से जीती), टोंक पारी 385 /5, टीम के लिए अभिनव शर्मा 118, यश शर्मा 86 व आशीष रघुवंशी 57 रन, सीकर के गेंदबाज दर्शन, आदित्यराज2 -2 विकेट, सीकर पारी 124 आल आउट, टोंक के गेंदबाज आर्यन 17 /4, सईद अज़ीं 43 /3 व आरव चोपड़ा 13 /2 विकेट।

हनुमानगढ़ - राजसमंद (हनुमानगढ़ 51 रन से जीती), हनुमानगढ़ पारी 198 आल आउट, टीम के लिए विशाल 52 व ओजस 42 रन, राजसमंद के गेंदबाज भारत साल्वी 34 /3 विकेट, राजसमंद पारी 147 आल आउट, टीम के लिए पुलकित 52 रन, हनुमानगढ़ के गेंदबाज विशाल 34 /4 व पुनीत 36 /4 विकेट।

अंडर 23 वीमेन चैलेंजर टी 20 ट्रॉफी मैच :- टीम डी - टीम बी (टीम बी 7 विकेट से जीती), टीम डी पारी 46 आल आउट, टीम के लिए वृंदा शर्मा 11 रन, टीम बी की गेंदबाज दृष्टि 0 /4 व शिवानी 15 /2 विकेट, टीम बी पारी 48 /3, टीम के लिए शिवानी 21 रन, टीम डी की गेंदबाज एंजेल, साक्षी 1 -1 विकेट।

टीम ऐ - टीम सी (टीम सी5 विकेट से जीती), टीम ऐ पारी 88 /4, टीम के लिए अनाया 30, सनजना 22 व नंदिनी 19 रन, टीम सी की गेंदबाज प्रियंका, सरोज व चांदनी 1 -1 विकेट, टीम सी पारी 89 /5, टीम के लिए सनाया 19, पार्वती 14 व ख़ुशी 16 रन, टीम ऐ की गेंदबाज पलक 9 /2 व निशा 20 /2 विकेट।

पर्थ वनडे में नहीं खेलेंगे जम्पा और इंगलिस

मेलबर्न, 14 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा पितृत्व कारणों से पर्थ में भारत के ख़िलाफ पहला वनडे मिस करेंगे। उनकी जगह मैथ्यू कुनमन को टीम में शामिल किया गया है, जबकि जॉश फ़िलिपे को जॉश इंगलिस के कवर के रूप में पर्थ बुलाया गया है क्योंकि एलेक्स केरी एशेज की तैयारी के तहत एक शेफ़ील्ड शील्ड मैच खेल रहे हैं। जम्पा की पत्नी हैरियट अपनी दूसरी संतान के अंतिम गर्भावस्था चरण में हैं और डिलीवरी की तारीख नजदीक होने के कारण जम्पा ने उत्तरी न्यू साउथ वेल्स के अपने घर पर ही रहने का फैसला किया है, क्योंकि पर्थ से लौटना अपेक्षाकृत कठिन है। वह एडिलेड और सिडनी में होने वाले दूसरे और तीसरे वनडे में वापसी कर सकते हैं, क्योंकि इन दोनों शहरों से घर लौटना आसान है। वह पूर्वी तट पर खेले जाने वाले पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी शामिल रहेंगे। कुनमन को रविवार के पर्थ वनडे के लिए बुलाया गया है और वह तीन साल बाद अपना पहला वनडे खेल सकते हैं। यह उनका ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहला वनडे हो सकता है। उन्होंने आख़िरी बार 2022 में श्रीलंका में चार वनडे खेले थे। वह पूरी सर्दियों में ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ रहे हैं जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ घरेलू सीरीज और न्यूज़ीलैंड दौरा शामिल हैं। लेकिन इस दौरान उन्होंने केवल एक मैच खेला जो जुलाई में जमैका में वेस्टइंडीज के ख़िलाफ़ दूसरा टी20 था।

ओवरऑल विनर अभ्युदय रावत बने प्रोफेशनल-ग्रॉस विनर

जयपुर, 14 अक्टूबर। रामबाग गोल्फ क्लब में मार्च - 2025 से गोल्फ क्लब के पूर्व कप्तानों की मेमोरी में मन्थली मेडल (10 टूर्नामेन्ट्स की श्रृंखला) - 1 से 10 का आयोजन किया गया, जिस क्रम में अन्तिम 10वें टूर्नामेन्ट दो दिवसीय पूर्व महाराजा ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह (महावीरचक्र) मेमोरियल गोल्फ टूर्नामेंट (मंथली मेडल - दसवाँ व अन्तिम) का आयोजन हुआ। प्रथम टूर्नामेन्ट से ही आईजीयू की तर्ज पर अच्छा खेलने वाले गोल्फर्स को पॉईन्ट्स प्रदान किये गये व उनका एक लीडरबोर्ड क्लब परिसर में लगाया गया, जिसमें हर कैटेगरी के टॉप गोल्फर्स के पॉईन्ट्स लीडरबोर्ड पर लगाये गये व इस अन्तिम 10वें टूर्नामेन्ट में सभी अलग-अलग श्रेणियों के गोल्फर्स को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, महाराज नरेन्द्र सिंह, रामबाग गोल्फ क्लब के कप्तान योगेन्द्र सिंह; मानद् सचिव समृद्ध शर्मा, टूर्नामेंट कमेटी, संयोजक डॉ. हिमांशु शर्मा; सहित क्लब कार्यकारिणी के सदस्य सुनील शेखावत आदि उपस्थित रहें।

टॉप गोल्फर्स के नाम निम्न प्रकार है - प्रोफेशनल कैटेगरी में प्रथम स्थान पर अभ्युदय रावत रहे वहीं, द्वितीय स्थान पर गिर्राज सिंह खड़का थे। अमैच्योर कैटेगरी में मनोविराज शेखावत प्रथम व दीपकरण सिंह ठक्कर द्वितीय स्थान पर रहे। 0-9 हैण्डिकेप कैटेगरी में पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ प्रथम और अर्जुन कुच्छल द्वितीय स्थान पर रहे। 10-16 हैण्डिकेप कैटेगरी में प्रथम डॉ. देवेन्द्र कुमार और युवराज सिंह द्वितीय रहे। 17-24 हैण्डिकेप कैटेगरी में आलोक शर्मा विजेता और युगांक शर्मा उपविजेता रहे। इसी प्रकार, बेस्ट लेडीज गोल्फर्स कैटेगरी में श्रीजा जैन प्रथम स्थान पर व वृन्दा सैनी द्वितीय स्थान पर रहीं। वहीं, बेस्ट सीनियर एवम् सूपर सिनीयर गोल्फर का खिताब एन.एस.राठौड़ व डॉ बी.एम.रातुड़ी को मिला।

पुरस्कार समारोह में अलग-अलग श्रेणियों और हैंडीकेप्स में विजेता व उप विजेता दोनों को पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त, हैंडीकेप्स श्रेणियों में विजेता और उपविजेता इस प्रकार रहे- हैंडीकैप कैटेगरी (00-09) में सिद्धार्थ शर्मा विजेता और हमीर सिंह राठौड़ उपविजेता रहे; हैंडीकैप कैटेगरी (10-16) के विजेता युवराज सिंह और उपविजेता कृष्ण हरितवाल रहे और हैंडीकैप कैटेगरी (17-24) के विजेता मनन धानुका और अनुज लुहाड़िया उपविजेता रहे।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता, पुलकित की घातक गेंदबाजी से जयपुरिया की आसान जीत

जयपुर, 14 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज से एन.बी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में प्रारम्भ चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मुकाबले में जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने पुलकित गुप्ता 31 रन पर 4 विकेट की घातक गेन्दबाजी की बदोलत नैना क्रिकेट एकेडमी को 9 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर नैना एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन वसीम खान 16, आशिष शर्मा 15, सागर पण्डित 14, भरत शर्मा 13 रन को छोड़कर नैना एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज जयपुरिया एकेडमी के गेन्दबाजो पुलकित गुप्ता 31 रन पर 4 विकेट, हेमन्य भारद्वाज 9 रन पर 2 विकेट तथा स्वप्निल चौधरी 12 रन पर 2 विकेट की गेन्दबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 17.4 ओवर में मात्र 94 रन पर ऑलआऊट हो गई।

जवाबी पारी में कप्तान राहुल खण्डेलवाल 39 रन, पार्थ यादव 31 रन नाबाद व देवकृत शर्मा 17 रन नाबाद की मदद से विजय लक्ष्य 14.5 ओवर में 1 विकेट खोकर 95 रन बनाकर 9 विकेट से आसान जीत दर्ज कर ली, नैना एकेडमी की ओर से 1 मात्र सफल गेन्दबाज भरत शर्मा 14 रन पर 1 विकेट रहे। इस मैंच के मैन ऑफ दा मैंच पुलकित गुप्ता जयपुरिया एकेडमी रहें।

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 3-च-13 विज्ञान नगर का मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र, कब्जा इन्वेन्ट्री एवं अनुज्ञा पत्र कही खो गया है मिलने पर संपर्क करें:- गुलाब चन्द, 3-च-13 विज्ञान नगर कोटा

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 4-त-10 विज्ञान नगर का आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, कब्जा इन्वेन्ट्री, अदेय प्रमाण, कार्यालय आदेश, कन्वेन्स डीड एवं परफ्यूचल डीड कही खो गई है मिलने पर संपर्क करें:- पियूष, 4-त-10 विज्ञान नगर कोटा

आम सूचना

मैं मेरे पक्षकार श्री परमानन्द मीना पुत्र श्री गुलाबचन्द मीना निवासी 351-A आर.के. पुरम कोटा पुलिस थाना आर.के. पुरम कोटा से प्राप्त निर्देशानुसार हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के कब्जा व खरीदशुदा मकान 351-A आर.के. पुरम कोटा के मूल आवंटन पत्र व कब्जा पत्र कही गुम हो गए है। इसलिए यह सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति उक्त दस्तावेजों के संबंध में संव्यवहार करता है तो उसे झूठा व गलत समझें अर्थात कोई संव्यवहार ना करें। अन्यथा उसके लिए मेरा पक्षकार किसी भी रुप में उत्तरदायी नहीं रहेगा।

दिनांक : 15.10.2025

भवदीय
रघुनन्दन गौतम एडवोकेट
मो. 9672625777

अज अदालत जिला न्यायाधीश कोटा

बइजलास श्री सत्यनारायण व्यास
आरएचजेएस जिला न्यायाधीश कोटा
मुत्त आवेदन क्रमांक : 102/2025

(1) बीना कश्यप पत्नी स्व. श्री भरत सिंह परमार, उम्र 60 वर्ष मो. 7976047038 (2) सिमरनजीत सिंह परमार पुत्र स्व. श्री भरत सिंह परमार, उम्र 30 वर्ष मो. 7837174549, निवासीगण- मकान नम्बर 3-ए-14, हरजीत कॉटेज, आर.एच.बी. कोलोनी, कुन्हाड़ी, कोटा (राज.), हाल निवासी- मकान नम्बर 59 गणेश वाटिका, केनाल रोड़, कुन्हाड़ी, कोटा (राज.) ...... प्रार्थीगण

– बनाम –

(1) शाखा प्रबंधक भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड, शाखा सी.ए.बी. जीवन ज्योति बिल्डिंग, झालावाड़ रोड़, छावनी चौराहा, कोटा (राज.) (2) सर्वसाधारण ...... प्रतिपक्षीगण

प्रार्थना पत्र वास्ते जारी किए जाने उत्तराधिकार प्रमाण पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925

जनरल नोटिस

एतद द्वारा हर आम व खास को सूचना दी जाती है कि न्यायालय हाजा में प्रार्थीगण ने उपरोक्त उनवान शीर्षक का प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम पेश कर निवेदन किया है कि प्रार्थीगण के पति/पिता स्व. भरत सिंह परमार का स्वर्गवास दिनांक 23.11.2024 को हो गया है जिनकी प्रतिपक्षी क्रम-1 भारतीय जीवन बीमा निगम के यहां जमाशुदा राशि 18,10,000/- रुपये अक्षरे अट्ठारह लाख दस हजार रुपये व उस पर देय ब्याज प्रार्थी नियमानुसार अपना हक प्राप्त करने की अधिकारी है। इसलिए प्रार्थीगण को इस रकम की प्राप्ति के लिए माननीय न्यायालय के द्वारा उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी किया जाना न्यायोचित एवं विधि सम्मत है। अतः हर आम व खास को सूचना दी जाती है कि यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त प्रार्थना पत्र के संबंध में कोई ऐतराज या किसी प्रकार की आपत्ति एवं ऐतराज हो तो वह व्यक्ति दिनांक 08.12.2025 को समय 10:30 AM बजे पर न्यायालय हाजा में असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति पेश करें, अन्यथा प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर प्रार्थी के पक्ष में न्यायालय द्वारा उक्त प्रार्थना अनुसार प्रशासन पत्र जारी कर दिया जायेगा। यह सूचना पत्र न्यायालय की मुद्रा एवं हस्ताक्षर से आज दिनांक 14 माह 10 वर्ष 2025 को जारी किया गया।

मुद्रा
न्यायालय के आदेश से
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सेशन न्यायालय, कोटा (राज.)

बईजलास श्री S N Vyas आर.एच.जे.एस.
माननीय न्यायालय जिला एवं सेशन न्यायाधीश कोटा
उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र संख्या /2025
C.M. 122/2025

राजेश श्रीवास्तव आत्मज श्री जगदीश श्रीवास्तव आयु 49 वर्ष जाति कायस्थ निवासी 2-ई-20 तलवण्डी कोटा (राज.) पुलिस थाना क्षेत्र जवाहर नगर कोटा आधार नम्बर 4697 8226 1880 मोबाईल नम्बर 09928370008 ...प्रार्थी

बनाम

1. सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक रामपुरा कोटा (राज.) जरिये मैनेजर/प्रबंधक, 2. यूको बैंक शॉपिंग सेन्टर कोटा (राज.) जरिये मैनेजर/प्रबंधक, 3. यूटीआई म्यूचल फण्ड रजिस्ट्रर्ड ऑफिस यूटीआई टॉवर जीएव ब्लाक ब्रान्दा कुरला काम्पलेक्स (ब्रान्द्रा ईस्ट)-400051 मुबई (महाराष्ट्र), 4. आदित्य बिरला एएमसी लिमिटेड वन वर्ल्ड सेन्टर टॉवर वन 17 तल जुपिटर मील सेनापति बापट मार्ग एलफिन स्टोन रोड, मुबई-400013 (महाराष्ट्र), 5. केनरा रोबेको कन्स्ट्रक्शन हाऊस 4 तल, 5 वालचंद-हीराचंद मार्ग, ब्लाड स्टेट, फोर्ट मुम्बई-400001 (महाराष्ट्र), 6. आईसीआईसीआई 1-बी-केसी, ए-विंग 13 तल, ब्रांद्रा-कुरला काम्पलेक्स मुम्बई-400051 (महाराष्ट्र), 7. निपोन इण्डिया लाईफ, एसेट्स मैनेजमेन्ट लिमिटेड, 4 तल, टॉवर-ए, पेनिन्नसुला, बिजनेस पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोवर परेल (वेस्ट), मुम्बई-400013 (महाराष्ट्र), 8. स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया शाखा एलआईसी बिल्डिंग छावनी चौराहा कोटा (राज.) जरिये शाखा प्रबंधक, 9. पंजाब नेशनल बैंक शाखा एलआईसी बिल्डिंग छावनी चौराहा कोटा (राज.) जरिये शाखा प्रबंधक, 10. सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक रामपुरा कोटा (राज.) जरिये शाखा प्रबंधक, 11. कोटा महिला नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड शाखा 1-बी कोटड़ी रोड गुमानपुरा कोटा (राज.) जरिये शाखा प्रबंधक, 12. श्री हितकारी विद्यालय सहकारी शिक्षा समिति लिमिटेड शाखा दादाबाड़ी कोटा (राज.). जरिये शाखा प्रबंधक, 13. एलआईसी शाखा कार्यालय प्रथम एलआईसी बिल्डिंग छावनी चौराहा कोटा (राज.) जरिये शाखा प्रबंधक, 14. एलआईसी शाखा कार्यालय द्वितीय बालाजी मार्केट रंगबाड़ी रोड कोटा (राज.) जरिये शाखा प्रबंधक, 15. डाकघर न्यू धानमण्डी आकाश मॉल के पीछे धानमण्डी कोटा (राज.) जरिये शाखा प्रबंधक, 16. सर्वसाधारण (आमजनता) ...अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी ने मृतका सुश्री सुशील कुमारी सक्सेना जिनकी मृत्यु 01.09.2025 को हो गयी है उनके द्वारा निष्पादित वसीयत श्री राजेश श्रीवास्तव के पक्ष में की गई है उसके आधार पर मृतका सुश्री सुशील कुमारी सक्सेना की समस्त जमाशुदा राशियों का विवरण व लॉकर में रखी हुई राशियां, जेवरात वगैराह का विवरण माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश प्रदान करें एवं उक्त जमा राशियों के संबंध में प्रार्थी के पक्ष में वसीयत के अनुसार उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र का आवेदन किया है इस न्यायालय से प्रार्थी ने उक्त राशि प्राप्त करने के लिए उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र चाहा गया है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि प्रार्थी के पक्ष में उक्त आशय का उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 15.12.2025 को प्रातः 10:30 A.M. असालतन या वकालतन उपस्थित होकर आपत्ति पेश करें अन्यथा प्रार्थी के पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा और बाद में कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी।

आज दिनांक 13.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

मोहर अदालत
न्यायालय के आदेश से
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सेशन न्यायालय कोटा (राज.)

मॉडर्न स्कूल में मॉडफेस्ट-2025-26 मनाया

■ कोटा मॉडर्न स्कूल के मीडफेस्ट में आकर्षक प्रस्तुतियां दी गयी

कोटा, (निसं)। मॉडर्न स्कलू तलवंडी, कोटा के विशाल प्रागंण में सायं 6.00 बजे मॉडफेस्ट-2025 की त्रिदिवसीय श्रृंखला के द्वितीय चरण का शुभारंभ हुआ, जिसमें कक्षा नर्सरी से बारहवीं के विभिन्न छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए अनेकानेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के प्रारभं में स्वागत भाषण के अंतर्गत सभी आगंतुक महानुभावों एवं गणमान्य सदस्यों का स्वागत और अभिवादन का उपक्रम कर आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर विविधात्मक भारतीय एवं पाश्चात्य सस्कृंति का बहुत ही सकारात्मक और समन्वित रूप देखने को मिला। मॉडफेस्ट-2025 द्वितीय दिवस के अतंर्गत सर्वप्रथम विद्यालय छात्रसंघ उपाध्यक्ष मास्टर शौर्य सिंघवी के संक्षिप्त भाषण के पश्चात् इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की वदंना से हुआ, जिसमें कक्षा दो के बच्चों ने कार्यक्रम के निर्विघ्न समापन और लोक कल्याण की मंगल कामना और भावमय प्रार्थना के साथ सुन्दर डाँस प्रस्तुत किया। आज के दिन का विशेष आकर्षण डॉक्टर्स की मेहनत, समर्पण, मानवता के प्रति सेवाभाव और चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉक्टर्स को विद्यालय प्रशासन द्वारा सम्मनित किया गया। इसके पश्चात् कक्षा एल.के.जी. और एच.के.जी. के नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा अंतरिक्ष यात्रा के अद्भुत काल्पनिक दृश्य को समूह नृत्य के रूप में बखूबी प्रदर्शित किया। 'ब्लूमिंग गार्डन एक्ट' में कक्षा प्रथम के नन्हें बच्चों ने विभिन्न रंग बिरंगे फूलों के रूप में सजधज कर सुंदर और आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। 'रूंबा एक्ट' मे कक्षा एक आरै दो के बच्चों ने बहुत ही शानदार और सुदंर नृत्य से सबको अभिभूत कर दिया।

'जलियाँवाला बाग एक्ट' के अंतर्गत कक्षा तीन के बालक-बालिकाओं ने भारतीयों की संघर्षमय गाथा को अत्यंत भावपूर्ण आरै मर्मस्पर्शी अभिव्यक्ति के साथ प्रस्तुत कर सभी दर्शकों को प्रभावित कर दिया।'म्यूजियम गेम टू लाईफ एक्ट' में म्यूजियम की मूर्तियों के जीवित होकर उनके साथ डांस करने की कल्पना को कक्षा तीन के बच्चों अपने एक्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया। 'स्वेग टू स्वदेश एक्ट' में भारतीय प्रवासियों के देश प्रेम और आत्मीय लगाव के भावों को अभिव्यक्त करते हुए छोटे बच्चों ने सुंदर और भावपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

ट्रीब्यूट टू डॉक्टर्स एक्ट' के अंतर्गत डॉक्टर्स की मेहनत, समर्पण, सेवाभाव और मानवता की मिसाल को बच्चों ने बहुत ही बेहतरीन अंदाज में प्रदर्शित किया। 'स्टेप मशीन एक्ट' में कक्षा नवीं के बच्चों ने कल्पना के आधार पर रोबोट रूप में नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से काल्पनिक भविष्य को बखूबी प्रदर्शित कर दर्शकों की प्रशंसा प्राप्त की। अत्यंत अभिव्यक्तिपूर्ण और अनुशासित भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैली भरतनाट्यम की प्रस्तुति ने सभी दर्शकों को आनंद-विभोर कर दिया, जिसमें ताल, लय और राग का अद्भुत संयोजन देखने योग्य था। स्टॉफ और कोरियोग्राफरर्स के जोश और उत्साह से भरपूर टीमवर्क की झलक इस धमाकेदार एक्ट में दिखाई दी। प्रत्येक प्रस्तुति पर विद्यालय प्रांगण तालियों की गड़गडाहट से गूँज उठा। कार्यक्रम के समापन से पूर्व सभी दर्शकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया गया।

विद्यालय के निदेशक वैभव सिंह ने सभी को धन्यवाद देते हुए जानकारी दी कि मॉडफेस्ट में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को हमेशा की तरह मुंबई से आए हुए कोरियोग्राफर के मार्गदर्शन में 15 दिन तक शिक्षण दिया गया। साथ ही साज-सज्जा एवं ध्वनि प्रणाली के लिए जयपुर से इवेंट मैनेजमेंट की टीम को बुलाया गया। इस अवसर पर फोटोग्राफी सोसायटी द्वारा निर्मित वीडियो भी दिखाया गया जिसमें विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को आकर्षक व प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा सपांदित मासिक पत्रिका न्यूम्स का भी वितरण किया गया। इसमें विद्यालय व मोडफेस्ट संबंधी सूचनाएँ, प्रमुख समाचार और विभिन्न गतिविधियों से सम्बंधित चित्र आदि प्रकाशित किए गए। कार्यक्रम का समापन आवश्यक सूचना और विद्यालय गीत से हुआ।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2049 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 14.10.25

आवास संख्या 4-के-9 रंगबाड़ी, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री मदन लाल ओझा पुत्र श्री शिव दयाल शर्मा को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री मदन लाल ओझा पुत्र श्री शिव दयाल शर्मा द्वारा दिनांक 01.04.2003 को अपने पक्ष में करवाया गया। श्री मदन लाल ओझा पुत्र श्री शिव दयाल शर्मा की मृत्यु दिनांक 16.12.2012 को हो चुकी हैं। श्री मदन लाल ओझा पुत्र श्री शिव दयाल शर्मा की मृत्यु दिनांक 16.12.2012 को हो जाने के उपरान्त उनके वारीसानों में श्रीमती हेमलता ओझा एवं कुसुम ओझा पुत्रीयां स्व. श्री मदन लाल ओझा द्वारा हकत्याग पत्र (रिलिज रोड) आलेखित कर दिनांक 12.06.2015 को अपनी माता श्रीमती भारती ओझा पत्नी स्व. श्री मदन लाल ओझा के पक्ष में किया गया श्रीमती भारती ओझा पत्नी स्व. श्री मदन लाल ओझा का नाम दिनांक 30.07.2015 को हक त्याग पत्र (रिलिज डीड) के आधार पर उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में दर्ज किया गया। श्रीमती भारती ओझा पत्नी स्व. श्री मदन लाल ओझा द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 21.03.2016 को श्री प्रवीण कुमार वालेचा पुत्र स्व. श्री राधेश्याम कलेचा का किया गया। श्री प्रवीण कुमार वालेचा पुत्र स्व. श्री राधेश्याम वालेचा का नाम दिनांक 100.2020 को विक्रय पत्र के आधार पर उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में दर्ज किया गया। श्री प्रवीण कुमार वालेचा पुत्र स्व. श्री राधेश्याम वालेचा द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 19.03.2021 को श्रीमती पुष्पलता गुप्ता पुत्री श्री रामस्वरूप जैन को किया गया। श्रीमती पुष्पलता गुप्ता पुत्री श्री रामस्वरूप जैन द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 4-के-9 रंगबाड़ी, कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मण्डल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्रीमती पुष्पलता गुप्ता पुत्री श्री रामस्वरूप जैन का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्रीमती पुष्पलता गुप्ता पुत्री श्री रामस्वरूप जैन का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में श्रीमती पुष्पलता गुप्ता पुत्री श्री रामस्वरूप जैन का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांकः-582 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांकः-14.10.25

नगर विकास न्यास कोटा की विनोबा भावे नगर "निर्धन को आंगन" योजना के भूखंड/आवास संख्या 1178 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. न्यास के पत्र दिनांक 24.04.2010 को श्री मनोज कुमार जैन पुत्र श्री सुगन चन्द जैन को किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त भूखंड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री नितिन राठौर पुत्र श्री पृथ्वीराज राठौर द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 02.07.2025 को श्री बिन्टेश नागर पुत्र श्री हेमराज नागर को विक्रय कर दिया गया है। अतः क्रेता द्वारा उक्त भूखंड/आवास का अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 1178 योजना विनोबा भावे नगर "निर्धन को आंगन" का नाम हस्तान्तरण श्री बिन्टेश नागर पुत्र श्री हेमराज नागर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांकः-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/1239 **विज्ञप्ति** दिनांकः-13.10.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम देवली अरब में स्थित कृषि भूमि योजना उत्तम नगर खसरा नं. 89 में स्थित भूखंड संख्या 53 आवेदक/आवेदिका श्रीमती गायत्री बाई पत्नी श्री शिव राज सिंह निवासी ए-5 शिवाजी कालोनी वार्ड नम्बर 28 बारां राज. द्वारा ऑन लाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 167 दिनांक 22.09.2015 को लालचन्द मण्डावत एवं भूपेन्द्र मण्डावत पुत्रान मदन लाल के पक्ष में जारी किया गया था। सहपट्टाधारी लालचन्द मण्डावत की मृत्यु उपरांत महेश मण्डावत, शिव कुमार (नाबालिग) हेमन्त (नाबालिग) पिसरान स्व. श्री लालचन्द एवं भूपेन्द्र (सहपट्टाधारी) पुत्र श्री मदनलाल के पक्ष में ऑन लाईन नाम हस्तान्तरण आदेश क्रमांक UIT-KOTA/FY20-21/MUT/343 दिनांक 21.10.2020 से जारी किया गया। महेश मण्डावत, शिव कुमार, हेमन्त पिसरान स्व. श्री लालचन्द एवं भूपेन्द्र पुत्र श्री मदनलाल द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 21.07.2022 से आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अतः श्रीमती गायत्री बाई पत्नी श्री शिव राज सिंह के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

मोदी कॉलेज में बॉस्केटबाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी स्थित मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में दिनांक 13 व 14 अक्टूबर को कोटा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरमहाविद्यालय बास्केटबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस आयोजन मे जिसमें कोटा विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए कोटा विश्वविद्यालय द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय प्रशिक्षक व खेल विशेषज्ञ भारत भूषण, अबीर मोहम्मद खान, शारीरिक शिक्षक, एवं शाहबाज खान, प्रशिक्षक व खेल विशेषज्ञ, कोटा विश्वविद्यालय को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। चैयरमेन सुशील मोदी ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल सात टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भारत माता फिजिकल एजुकेशन कॉलेज किशनगंज बारां महाविद्यालय विजेता एवं उपविजेता राजकीय कला महाविद्यालय कोटा की टीम रही। मोदी ग्रुप के डायरेक्टर राघव मोदी ने विजेता खिलाड़ियों को माला पहनाकर सम्मानित किया एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा विजेता-उपविजेता टीम को सर्टिफिकेट एवं ट्रॉफी प्रदान की।

एमआईएमटी के निदेशक डॉ.एन.के. जोशी ने विजेताओं को शुभकामना दी एवं बताया कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास भी विकसित करते हैं। कार्यक्रम की सफलता सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

गौशाला समिति का पुनर्गठन संपन्न

कोटा (निसं)। श्रीबालाजी गौशाला सेवा समिति हनुवतखेडा की कार्यकारिणी का पुनर्गठन अभिराम दास त्यागी महाराज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों और ग्रामवासियों ने सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों के नामों को स्वीकार किया। महाराज ने अध्यक्ष पद के लिए जनक दास महाराज के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ स्वीकार किया। इसी कडी में गौशाला के वर्तमान सचिव मनीष कुमार मालव ने कोषाध्यक्ष पद के लिए रामकल्याण मालव का नाम प्रस्तावित किया, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी मिली। साथ ही, वर्तमान अध्यक्ष बनवारी लाल ने सचिव पद के लिए रामबाबू मालव के नाम का सुझाव दिया, जिसे भी सभी ने पूर्ण समर्थन के साथ स्वीकार किया। मनीष कुमार ने बताया कि महाराज त्यागी के नेतृत्व में हाल ही में मध्य प्रदेश के ठुकराल गांव में एक अभूतपूर्व और प्रेरणादायी कार्य संपन्न हुआ।

जरूरतमंद बच्चों को नए वस्त्र दिए

कोटा, (निसं)। उमंग-एक छोटी-सी आशा संस्था द्वारा जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र वितरित किए गए।

संस्था की निर्देशिका एवं संयोजिका मौसमी अधिकारी ने बताया कि कोटा विकास प्राधिकरण कार्यालय के सामने फुटपाथ पर जरूरतमंद लोगों एवं छोटे बच्चों के लिए नए वस्त्र भेंट किए गए।

उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा इस प्रकार के सामाजिक कार्य समय-समय पर किए जाते रहे हैं। ये कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

दिवाली पर सभी के घरों में रोशनी हो। यह तब ही संभव है जब समाज आगे आएं। जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सभी को आगे आना चाहिऐं। इस दौरान अब्दुल वहाब, राजकुमार चोपड़ा, अमित जोशी एवं अमित अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिका छबड़ा जिला बारां

क्रमांकः-न.पा.छ./2025/4872 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांकः-06.10.25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्ट्रीप ऑफ लैण्ड के अंतर्गत नगर पालिका कार्यालय में निम्न आवेदनकर्ता द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त प्रकरण में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो आपत्ति प्रकाशन के अन्दर म्याद 03 दिवस में मय दस्तावेज प्रमाण पत्र के इस कार्यालय में लिखित रुप में प्रस्तुत कर दें। समयावधि गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	नाम सम्पत्ति मालिक जिसके नाम दस्तावेज अनुसार सम्पत्ति है।	प्रकरण	पता सम्पत्ति जहां स्थित है।
1	2	3	4
1	श्री कमलेश पारेता आत्मज श्री राजेन्द्र पारेता जाति कलाल निवासी छबड़ा जिला बारां	स्ट्रीप ऑफ लैण्ड	शिव कॉलोनी में स्थित भूखंड सं. 34 (18x35=630 वर्गफीट) के पूर्व दिशा में स्थित भूखंड साईज 18x30=540 वर्गफीट

नोटः- उपरोक्त स्ट्रीप ऑफ लैण्ड के तहत भूमि आवंटन के संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशन तिथि के अन्दर म्याद 03 दिवस तक अपनी आपत्ति लिखित में न.पा. छबड़ा में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि गुजरने के बाद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका छबड़ा

नगर निगम, कोटा दक्षिण-उत्तर
132वाँ राष्ट्रीय दशहरा मेला, कोटा

दिनांक 15-10-2025, बुधवार के कार्यक्रम

चंबल राजस्थान केसरी कुश्ती दंगल
प्रातः09:00 बजे से। श्रीराम रंगमंच परिसर, दशहरा मैदान

गरिमामयी उपस्थिति
श्री गौतम दक – माननीय सहकारिता मंत्री, राजस्थान
श्री हीरालाल नागर – माननीय ऊर्जा मंत्री, राजस्थान
श्री जवाहर सिंह बेढम – माननीय गृह राज्य मंत्री, राजस्थान
श्री राजीव दत्ता – अध्यक्ष, राजस्थान राज्य कुश्ती संघ
श्री मनोज शर्मा – अध्यक्ष कोटा जिला क्रिकेट संघ
श्री सत्यप्रकाश शर्मा (बालिता) – सचिव कोटा जिला क्रिकेट संघ

परिधान उत्सव
रात्रि 07:00 बजे। विजय श्री रंगमंच, दशहरा मैदान

गरिमामयी उपस्थिति
श्री महेश गुप्ता – निदेशक शिव ज्योति एजुकेशनल ग्रुप, कोटा
श्री आनन्द राठी – निदेशक एस. आर. एज्यूकेशन ग्रुप, कोटा
श्री कुलदीप माथुर – निदेशक एल. बी. एस. एज्यूकेशन ग्रुप, कोटा
श्री ए.डी मिर्जा – निदेशक सर्वोदय एजुकेशन ग्रुप, कोटा।
श्री नारायण गोयल – पूर्व महामंत्री भाजपा कोटा देहात
श्री ललित शर्मा – पूर्व महामंत्री भाजपा कोटा देहात।

सिने संध्या (बी प्राक)
रात्रि 08:30 बजे। विजय श्री रंगमंच, दशहरा मैदान

गरिमामयी उपस्थिति
श्री गौतम दक – माननीय सहकारिता मंत्री, राजस्थान
श्री हीरालाल नागर – माननीय ऊर्जा मंत्री, राजस्थान
श्री जवाहर सिंह बेढम – माननीय गृह राज्य मंत्री, राजस्थान
श्री प्रेम गोचर – जिलाध्यक्ष भाजपा कोटा देहात
श्री राकेश जैन – जिलाध्यक्ष भाजपा कोटा शहर
श्री रामगोपाल बैरवा – पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार
श्री पंकज मेहता – पूर्व उपाध्यक्ष राजस्थान खादी बोर्ड
श्री पं. गोविन्द शर्मा – महन्त बड़े सत्यनारायण जी मंदिर, कैथूनीपोल, कोटा

किसान रंगमंच
रात्रि 08:00 बजे

गरिमामयी उपस्थिति
श्री पन्नालाल बंजारा – मण्डल अध्यक्ष महावीर नगर
श्री बृजमोहन गौड़ – मण्डल प्रतिनिधी महावीर नगर
श्री संजय निझावन – पूर्व मण्डल अध्यक्ष
फेज़ 2, दशहरा मैदान
श्री कीर्तिकांत गोयल – पूर्व मण्डल अध्यक्ष

उपरोक्त कार्यक्रमों में आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं
विनीत : विवेक राजवंशी, अध्यक्ष एवं समस्त सदस्य, मेला समिति तथा नगर निगम कोटा दक्षिण-उत्तर

राजस्थान संवाद

जिला कलेक्टर ने ग्रामीण विकास की योजनाओं की समीक्षा की

कोटा, (निसं)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की बैठक में महात्मा गांधी नरेगा योजना, ग्रामीण सेवा शिविर, सांसद एवं विधायक कोष के तहत स्वीकृत कार्यो, सीएसआर फण्ड से हो रहे कार्यो, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त ग्राम योजना एवं एसडीआरएफ के तहत होने वाले मरम्मत कार्यो की तकनीकी स्वीकृति सहित अन्य की प्रगति की समीक्षा की। जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों को राज्य सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिऐं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों में जो कार्य किए जा सकते है उन्हें प्राथमिकता से करने, तय लक्ष्य हासिल करें।

समारिया ने एसडीआरएफ के तहत आंगनबाड़ी एवं पंचायत भवनों की मरम्मत के कार्यो में गुणवत्ता का ध्यान रखने एवं प्रोपर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत संवेदक के माध्यम से घर-घर कचरा संग्रहण में जहां निविदा नहीं हुई है वहां निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने तथा इस दौरान ग्राम पंचायतों के माध्यम से बीएसआर दरों पर सफाई कार्य करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यक्तिगत शौचालय बनाने में पिछड़ रही सांगोद पंचायत समिति के विकास अधिकारी को लक्ष्य पूरा करने के लिए ग्रामीण सेवा शिविर में स्वीकृति देने के निर्देश दिए। उन्होंने शौचालयों का जीयो टेग करवाना सुनिश्चित करने को कहा। स्वामित्व योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से इस योजना को गति देते हुए अधिक से अधिक प्रोपर्टी पार्सल वितरित करने के लक्ष्य हासिल करें। पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त ग्राम योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के बैंक खाते सत्यापित नहीं हुए है उनके खाता सत्यापन का कार्य शीघ्र पूरा किया जाएं। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्वीकृत कार्यो को पूरा करने एवं सीईओ जिला परिषद को निर्देश दिए कि जिन विभागों के कार्य लंबित हैं उन विभागों से समन्वय स्थापित कर इनमें गति लाएं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा करते हुए विभिन्न पंचायत समिति के बीडीओ को इसमें प्रगति लाने के निर्देश दिए। अटल ज्ञान केन्द्र स्थापना की समीक्षा करते हुए उन्होंने इनमें भी गति लाने के निर्देश दिए।

कार्यालय नगर पालिका केशवराय पाटन जिला बून्दी (राज0)

npalika3@gmail.com ph.no. 07438-264346

क्रमांक :-2619-2621 **आपत्ति सूचना पत्र** दिनांक :- 10.10.2025

सर्व साधारण एवं हर खास व आम को सुचित किया जाता है कि पालिका में निम्नलिखित व्यक्तियो द्वारा स्वयं के मकानो/भूखण्डो के पट्टा बनाने हेतु पत्रावलीयां पालिका में प्रस्तुत की गई है। उक्त पत्रावलीयों के दस्तावेजो की जांच की जा रही है :-

क.सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति का नाम मय पता स्थान	कोलोनी का नाम	खसरा संख्या/ग्राम	भूखण्ड संख्या	साईज (वर्गफुट)	पत्रावली का प्रकार
1	मुमताज बानो पत्नी सलाउदीन	गरीब नवाज कॉलोनी	1591, 1592		775	कृषि भूमि नियमन
2	सोयल पुत्र मुस्तकिम	गरीब नवाज कॉलोनी	1591, 1592		506.25	
3	कमलेश पुत्र श्री महेन्द्र	अमर विहार कॉलोनी	443/2		1250	
4	सगीर अहमद पुत्र वली मोहम्मद	प्रताप कॉलानी	459,60,61,501,502		1500	
5	फिरदोस/दानिश	प्रताप कॉलोनी	501,502,459,60,61	-	750	
6	शबनम पत्नी ईरशाद	प्रताप कॉलोनी	501,502,583,459	-	1050	
7	अंजु पत्नी राकेश कुमार	आदर्श पुरम	1295/2		900	
8	लोकेश पुत्र धर्मवीर	शंकर कॉलोनी	1471,90,91,1522,1525		900	
9	गुरूद्वारा श्री तेगबहादुर साहब सेवा समिति जर्ये अध्यक्ष (दिलबाग सिंह)	भगत सिंह नहर गुरूद्वारा	621/1, 621/2		1000	
10	मोहन/नन्दकिशोर	केशव विहार विस्तार	13		907/679	
11	तरादेवी पत्नी हेमराज गुप्ता	नामान्तरण			1650	
12	पीरू मोहम्मद आ0 रमजानी जी	90बी कृषि भूमि नियमन पटटा समर्पण व नामान्तरण			1050	
13	कमलेश आ0 बदरीलाल	कच्ची बस्ती			416	
14	बंशीलाल आ0 पीरूलाल	कच्ची बस्ती मारवाडा			945	
15	रूपचन्द्र आ0 मिश्रीलाल	कच्ची बस्ती मारवाडा			2467	
16	सोहन लाल आ0 सुरता	कच्ची बस्ती मारवाडा			555	
17	सिगा आ0 सुरता	कच्ची बस्ती मारवाडा			666	
18	भीमराज आ0 सुरता	कच्ची बस्ती मारवाडा			585	
19	मीरा बाई पत्नी राणा	कच्ची बस्ती मारवाडा			1309	
20	मोती लाल व मांगी बाई आ0 पीरू लाल	मारवाडा बस्ती			1220	
21	रामचन्द्र आ0 पीरू लाल	कच्ची बस्ती मारवाडा			694	
22	अबला पत्नी भेरूलाल	कच्ची बस्ती मारवाडा			924	

उक्त प्लाटो/मकानो के पट्टे बनाने में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो मय साक्ष्य सबूत के अन्दर अवधि 7 योम में इस पालिका में प्रस्तुत कर देवे अन्यथा बाद गुजरने अवधि ऊपर उल्लेखित आवेदको के नाम पट्टे/नामांतरण जारी कर दिये जावेगें।
सूचित हो।

राज.संवाद/सी/25/12117

अधिशाषी अधिकारी

वृद्धाश्रम में भोजन कराया

कोटा, (निसं)। समग्र दिगंबर जैन बघेरवाल सामाजिक संस्था (महिला प्रकोष्ठ) के तत्वावधान में समाजसेवा के तहत सोमवार को एक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था की अध्यक्ष सीमा हरसोरा ने बताया कि इस अवसर पर ग्रुप की सचिव प्रियंका हरसोरा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में राजकीय वृद्धाश्रम, स्वामी विवेकानंद नगर, कोटा में वृद्धजनों को स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया। कार्यक्रम में प्रांतीय महामंत्री राजेन्द्र ताथेडिया, महेश बरमुंडा, चंद्रप्रकाश हरसोरा, सुषमा हरसोरा, स्वपनिल जैन एवं ग्रुप की कोषाध्यक्ष सीमा बागड़िया सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने वृद्धजनों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित किया तथा भोजन वितरण में सहयोग किया।

नाम परिवर्तन

पूर्व में मेरा नाम नागेश हुडे था जिसे बदलकर मैंने नागेश दुबे रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे, निवासी 129, गोपाल विहार-2, कोटा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ

- खरीफ 2025 की फसल बीमा पॉलिसी पाएं
- आने वाले रबी मौसम में भी फसल बीमा अवश्य कराएं

फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 9 वर्षों की उपलब्धियां

- 82+ करोड़ किसान आवेदन प्राप्त
- ₹1.93+ लाख करोड़ का क्लेम स्वीकृत, उसमे से ₹1.89+ लाख करोड़ का किसानों को भुगतान
- 23+ करोड़ किसान आवेदनों को फसल बीमा का लाभ
- राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल द्वारा पारदर्शी एवं त्वरित दावा भुगतान

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ महा अभियान 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025

आपके गांव में आयोजित शिविर एवं फसल बीमा पाठशाला में ज़रूर आएं
- अपनी फसल बीमा पॉलिसी पाएं
- जानें फसल हानि की सूचना देने की प्रक्रिया, क्लेम एवं शिकायत निवारण व्यवस्था
- साथ ही पाएं आगामी रबी मौसम में फसलों का बीमा कराने की पूरी प्रक्रिया एवं मार्गदर्शन

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार AIC ... Chola MS ... ICICI Lombard ... Kshema ... Oriental Insurance ... Reliance General Insurance ... SBI General ... Universal Sompo General Insurance

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय | जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा | @PMFBY | योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

नवीन को ऑपरेटिव कोड से राजस्थान में सहकारिता मजबूत होंगी - भजन लाल

मुख्यमंत्री कार्यालय में विभाग के मंत्रियों व अधिकारियों के साथ सी एम ने विस्तृत चर्चा की

जयपुर, 14 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान कहा कि सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार करने में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक मजबूती, किसानों की आय बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर बाजार के बेहतर अवसर सुनिश्चित करने के लिए सहकारी समितियों को सशक्त बना रही है।

- **नई व्यवस्था के तहत सहकारी समितियां अपने कार्यक्षेत्र के बाहर भी दुकानों व आउटलेट्स के माध्यम से अपने उत्पाद बेच सकेंगी**

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रस्तावित नवीन को-ऑपरेटिव कोड से सहकारिता आंदोलन को और अधिक समावेशी बनाया जाएगा। कोड में प्रक्रियाओं के सरलीकरण, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने वाले प्रावधान शामिल किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि नई व्यवस्था के तहत सहकारी समितियां अपने कार्यक्षेत्र के बाहर भी दुकानों या आउटलेट्स के माध्यम से सीधे अपने उत्पाद बेच सकेंगी। साथ ही, ऑडिट की प्रक्रिया को सख्त और पारदर्शी बनाने के लिए समय पर रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया जाएगा।

बैठक में सहकारी सोसाइटियों की परिभाषा को स्पष्ट करने, पंजीयन और उपनियम संशोधन की समय-सीमा घटाने, योग्य व्यक्तियों की सदस्यता सुनिश्चित करने तथा लोकतांत्रिक नेतृत्व को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

इस अवसर पर कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक व संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जीतन राम ने सभी 6 प्रत्याशी घोषित किए

पटना, 14 अक्टूबर। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम)-सेक्यूलर ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए हुए सीट बंटवारे के तहत मिली सभी छह सीटों पर मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

हम के राष्ट्रीय महासचिव राजेश कुमार पांडेय ने सूची जारी करते हुये

- **ज्ञातव्य है कि सीटों के बंटवारे में मांझी की पार्टी हम को 6 सीटें मिली हैं।**

बताया कि इमामगंज (सु) से दीपा कुमारी, टिकारी से अनिल कुमार, बाराचट्टी (सुरक्षित) से ज्योति देवी,अतरी से रोमित कुमार, सिकंदरा (सुरक्षित) से प्रफुल्ल कुमार मांझी और कुटुंबा (सुरक्षित) से ललन राम को उम्मीदवार बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि 12 अक्टूबर को बिहार विधानसभा चुनाव में राजग में सीटों के बंटवारे पर समझौता हुआ था। सीट बंटवारे के तहत भाजपा 101, जनता दल यूनाईटेड (जदयू) 101, लोक जनशति पार्टी (रामविलास) 29, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

लारेंस विश्नोई व रोहित गोदारा गैंग का अमित शर्मा अमेरिका में पकड़ा गया

एडीजी दिनेश एम एन ने बताया कि अमित उर्फ जैक पंडित को भारत लाने की प्रक्रिया चल रही है

जयपुर, 14 अक्टूबर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के एक सक्रिय सदस्य अमित शर्मा को अमेरिका से गिरफ्तार किया है। अमित लंबे समय से अमेरिका में छिपा हुआ था। टीम उसे जल्द ही अमेरिका से भारत लाने की प्रक्रिया में जुट गई है।

- **मूलतः श्रीगंगानगर निवासी अमित शर्मा लारेंस गैंग के फायनेंस का काम देखता था। वह उगाही की रकम विदेश में प्राप्त करता था तथा विभिन्न माध्यमों से गैंग के सदस्यों तक पहुंचाता था।**

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एजीटीएफ एव अपराध) दिनेश एमएन ने बताया कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय सदस्य अमित शर्मा उर्फ जैक पंडित को जयपुर क्राइम ब्रांच की सूचना पर इंटरपोल ब्रांच के जरिए अमेरिका में गिरफ्तार करवाया गया है। शर्मा मूल रूप से श्रीगंगानगर के मटीली राठआन का रहने वाला है। वह कई मामलों में वांछित था। साल 2021 में मौका मिलने पर वह दुबई भाग गया। दुबई से स्पेन और स्पेन से अन्य देशों में होते हुए वह डंकी रूट से अमेरिका पहुंचा। अमित शर्मा उर्फ जैक पंडित, फिलहाल कैलिफोर्निया जेल में बंद है, को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जयपुर क्राइम ब्रांच ने इसके लिए रेड कॉर्नर नोटिस और अन्य दस्तावेज अमेरिकी एजेंसी को भेजकर सूचना दी, जिसके बाद अमेरिकी पुलिस ने इसके ठिकानों का पता लगाकर इसे गिरफ्तार कर लिया।

एडीजी एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि आरोपी अमित शर्मा गैंग के लिए विदेश में बैठकर आपराधिक गतिविधियों की योजना बनाता था। वह गैंग के लिए फाइनेंस का काम देखता था, जिसके तहत वह उगाही की रकम विदेशों में प्राप्त करता था और विभिन्न माध्यमों से गैंग के सदस्यों तक पहुंचाता था।

इसके अलावा वह भारत से विदेश भागने वाले गैंग सदस्यों को शरण दिलाने,उनके लिए पैसे उपलब्ध कराने और फर्जी दस्तावेज तैयार करवाने का काम भी करता था। गैंगस्टर रोहित गोदारा जब भारत से भागा था तब अमित पंडित ने ही उसके रहने की व्यवस्था की थी।

दिनेश एमएन ने बताया कि बदमाश अमित शर्मा ने विदेश भागने के बाद अपनी पहचान छुपाने के लिए कई नाम बदले उसको जैक, सुल्तान उर्फ डॉक्टर और पंडित जी और अर्पित आदि नाम से जाना जाता था लेकिन गैंग के मेंबर्स की ओर से अपराधी का नाम कभी सामने नहीं आया।

जैसलमेर -जोधपुर हाईवे पर ...

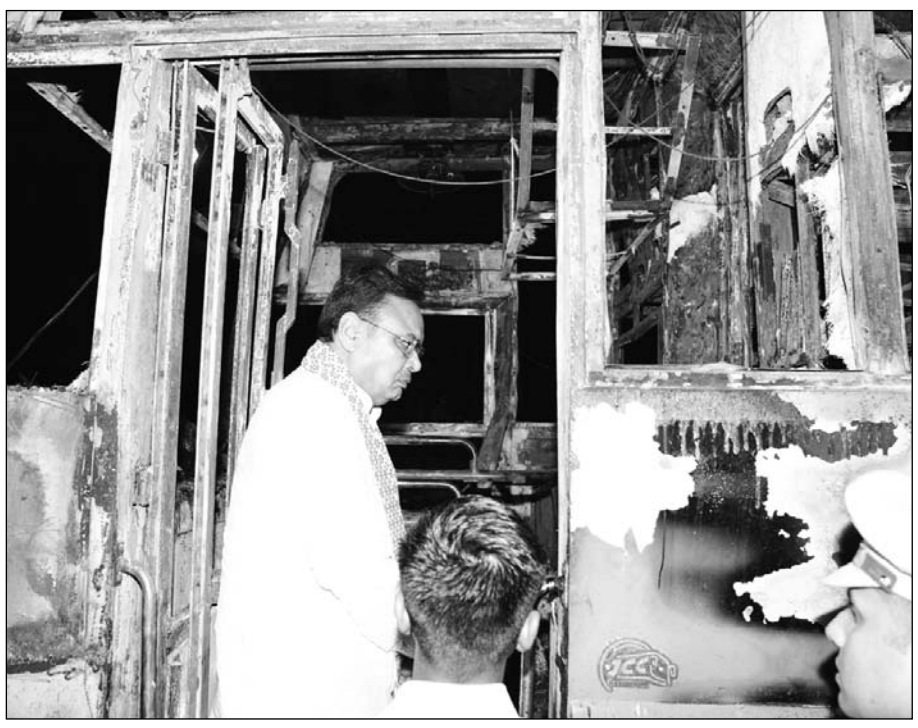

मुख्यमंत्री भजनलाल बस अग्निकांड की सूचना मिलते ही तुरंत घटना स्थल पहुंचे। भीषण हादसे से बेहद दुखी और आहत मुख्यमंत्री ने जली हुई बस में जाकर हालात को देखा।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल ले जाया गया।

कलेक्टर प्रतापसिंह ने बताया कि हादसे के बाद बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई थी। हादसे के चार घंटे बाद भी बस की बॉडी गर्म थी। गंभीर रूप से झुलसे लोगों को शीघ्रातिशीघ्र जोधपुर लाने के लिए संभागीय आयुक्त के निर्देश पर घटना स्थल से लेकर जोधपुर तक के रूट में ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है, ताकि एंबुलेंसों का रास्ता बाधित न हो। जैसलमेर से लेकर जोधपुर तक के हाईवे से लगने वाले सभी थानों की टीमें अपने -अपने क्षेत्र में अलर्ट रहीं।

जोधपुर कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि परिस्थितियों को देखते हुए जोधपुर में मथुरादास माथुर हॉस्पिटल और महात्मा गांधी हॉस्पिटल में मेडिकल टीम को अलर्ट कर दिया गया है। दोनों ही हॉस्पिटल में अधीक्षक के साथ-साथ सीनियर डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ को पहले से तैयार रखा गया। घायलों के यहां पहुंचते ही उनके ट्रीटमेंट शुरू कर दिया गया। घटना की भयावहता को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

'पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर हाईकोर्ट का फैसला दुःखद'

नयी दिल्ली/हैदराबाद, 14 अक्टूबर। तेलंगाना सरकार ने स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को दिए गए 42 प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगाने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी है।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने नयी दिल्ली में

- **तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारी सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।**

उच्चतम न्यायालय परिसर में संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने विशेष अनुमति याचिका दायर कर दी है और कल इस पर सुनवाई होने की संभावना है।

गौड़ ने कहा कि राज्य विधानसभा में इस विधेयक के पारित होने पर सभी राजनीतिक दलों ने इसका समर्थन किया था, लेकिन अब भाजपा और बीआरएस अपना रुख बदलकर इसका विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार पीछे हटने को तैयार नहीं है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि तेलंगाना में पिछड़े वर्गों के लिए सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए, आदेश को उसकी सही भावना के अनुसार लागू किया जाए।

भाजपा ने स्पीकर नंद किशोर यादव सहित 11 विधायकों के टिकट काटे

भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 71 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट घोषित कर दी है

पटना, 14 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से बिहार विधानसभा चुनाव के लिये जारी 71 उम्मीदवारों की पहली सूची में विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव समेत 11 विधायकों के टिकट काट दिए हैं।

- **भाजपा ने पहली लिस्ट में 9 महिला प्रत्याशियों को टिकट दिया है।**
- **इसके अलावा भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ सौरभ को भी टिकट दिया है।**

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने आज 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। सूची के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष और पटनासाहिब से सात बार के विधायक नंद किशोर यादव को टिकट नहीं दिया है। यादव के स्थान पर रत्नेश कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह रीगा से मोतीलाल प्रसाद, सीतामढ़ी से मिथिलेश कुमार, राजगनर से डा.रामप्रीत पासवान, नरपंतगंज से जयप्रकाश यादव ,गौराबौराम से स्वर्णा सिंह,औराई से राम सूरत कुमार, कटोरिया से डा. निक्की हेमब्रम, कुम्हरार से अरूण कुमार सिन्हा,आरा से पूर्व मंत्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह और मुंगेर से प्रणव कुमार का टिकट कट गया है।

इस बार के चुनाव में भाजपा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को दानापुर से टिकट दिया है। यादव ने वर्ष 2024 में पाटलिपुत्र संसदीय सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पुत्री मीसा भारती ने पराजित कर दिया था।

भाजपा ने नौ महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जिसमें बेतिया से रेणु देवी, परिहार से गायत्री देवी, नरपतगंज से देवंती यादव, किशनगंज से स्वीटी सिंह, प्राणपुर से निशा सिंह, कोढ़ा से कविता देवी, औराई से रमा निषाद, वारसलीगंज से अरुणा देवी और जमुई से श्रेयसी सिंह शामिल हैं।

भाजपा ने विक्रम से कांग्रेस के विधायक सिद्धार्थ सौरभ को अवसर दिया है। उन्होंने पिछले चुनाव में निर्दलीय अनिल कुमार को पराजित किया था।

डब्ल्यू एच ओ ने कोल्ड्रिफ सहित तीन कफ सिरप को खतरनाक बताया

दो अन्य सिरप है रैस्पिफ्रेश टी आर और रीलाइफ

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में बनी तीन मिलावटी दवाओं की पहचान की है, जिनमें सबसे ज्यादा चर्चा में रही कोल्ड्रिफ कफ सिरप शामिल है। यह सिरप भारत के तमिलनाडु राज्य में स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स नामक कंपनी द्वारा बनाई गई थी। कुछ ही हफ्ते पहले मध्य प्रदेश में कई बच्चों की मौत के बाद यह मामला सामने आया, जिससे पूरे देश में चिंता बढ़ गई।

डब्ल्यूएचओ की जांच में पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप में एक जहरीला रसायन डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) बहुत अधिक मात्रा में मिला है। बता दें कि डीईजी एक ऐसा केमिकल है जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। यह किडनी और लिवर को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोल्ड्रिफ सिरप में इस रसायन की मात्रा 48 प्रतिशत से भी ज्यादा पाई गई, जबकि सुरक्षित मात्रा केवल 0.1 प्रतिशत तक होनी चाहिए।

- **डब्ल्यू एच ओ ने सभी देशों से अपील की है अगर ये सिरप किसी भी देश में मिलें तो तुरंत सूचित करें।**

कोल्ड्रिफ के अलावा, दो और सिरप भी डब्ल्यूएचओ की चेतावनी में शामिल हैं। पहली रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और दूसरी शेप फार्मा की रीलाइफ। डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों से अपील की है कि अगर ये सिरप किसी भी देश में मिलते हैं तो इसकी जानकारी तुरंत डब्ल्यूएचओ को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

कोल्ड्रिफ सिरप को लेकर जब जांच हुई, तो श्रीसन फार्मास्युटिकल्स की दवा बनाने की अनुमति सरकार ने तुरंत रद्द कर दी। साथ ही, कंपनी के मालिक जी. रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद तमिलनाडु राज्य में सभी दवा कंपनियों की फैक्ट्रियों की गहन जांच शुरू कर दी गई है, ताकि यह देखा जा सके कि कहीं और भी गुणवत्ता में कोई लापरवाही तो नहीं बरती जा रही।

प्रशांत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साहिब), डॉ. गुलशन यादव (बख्तियारपुर) और अवध किशोर झा (बेनीपुर)।

सूची में जाति और लिंग दोनों स्तरों पर विविधता देखने को मिल रही है।

भजन गायिका मैथिली ठाकुर भाजपा में

पटना, 14 अक्टूबर। बिहार की चर्चित युवा लोक और भजन गायिका मैथिली ठाकुर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गई हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने ठाकुर को आज पार्टी की सदस्यता दिलाई।

गौरतलब है कि हाल ही में भाजपा चुनाव प्रभारी विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के साथ मैथिली ठाकुर की तस्वीर भी सामने आई थी। उनके भाजपा में शामिल होने के बाद इस बात की भी चर्चा है कि वे अलीनगर सीट से चुनाव लड़ सकती हैं।

25 जुलाई 2000 को जन्मी मैथिली मधुबनी जिले में बेनीपट्टी की रहने वाली हैं और शास्त्रीय, लोक और भजन गायिकी में पारंगत हैं। उन्होंने संगीत की आरंभिक शिक्षा अपने पिता रमेश ठाकुर से ली।

'संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्थाओं में सुधार की जरूरत है'

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त राष्ट्र में शांति सैनिकों के योगदान पर आयोजित सम्मेलन में कहा

नयी दिल्ली, 14 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की पुरजोर वकालत करते हुए कहा है कि विश्वास के संकट का सामना कर रही यह संस्था मौजूदा वास्तविकताओं के अनुरूप नहीं होने के कारण चुनौतियों से निपटने में विफल रही है। रक्षा मंत्री ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि कुछ देश खुलेआम अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

- **रक्षामंत्री ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि कुछ देश अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।**

सिंह ने मंगलवार को यहां भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में यह बात कही। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र में शांति सैनिकों का योगदान देने वाले देशों के सेना प्रमुखों को संबोधित करते हुए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के पुराने बहुपक्षीय ढ ांचे पर सवाल उठाते हुए इसमें सुधारों की वकालत की। उन्होंने कहा, "हम आज की चुनौतियों का सामना पुराने बहुपक्षीय ढ ांचों से नहीं कर सकते। व्यापक सुधारों के बिना, संयुक्त राष्ट्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है। आज की परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए, हमें एक सुधारित बहुपक्षवाद की आवश्यकता है, जो आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे, सभी हितधारकों की आवाज बनें, समकालीन चुनौतियों का समाधान करे और मानव कल्याण पर केंद्रित हो।"

कुछ देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नियमों की खुलेआम धज्जियां उडाये जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत पुरानी अंतर्राष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को मज़बूती से कायम रखने में मज़बूती से खड़ा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुरूप सैन्य योगदान देने वाले देशों की अधिक भूमिका की वकालत करने वाली एक आवाज़ है। उन्होंने कहा, "जो लोग क्षेत्र में सेवा करते हैं और जोखिम उठाते हैं, उन्हें अपने मिशनों का मार्गदर्शन करने वाली नीतियों को आकार देने में एक सार्थक आवाज़ मिलनी चाहिए।"

मध्यप्रदेश सरकार ने सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2023 सर्वे रिपोर्ट भी शामिल है, जो राज्य में जातिगत भेदभाव के पैमाने को दर्शाती है।

लगभग 10,000 ग्रामीण और शहरी परिवारों के सर्वेक्षण में से 5,578 परिवारों (लगभग 56 प्रतिशत) ने कहा कि जब कोई तथाकथित उच्च जाति का व्यक्ति उनके घर के सामने से गुजरता है, तो उन्हें सम्मान के लिए चारपाई या मंच से उठकर खड़ा होना पड़ता है। 3,797 परिवारों ने बताया कि उनके गाँवों में आज भी अछूत प्रथा मौजूद है और जाति के अनुसार मोहल्ले अलग-अलग बनाए गए हैं। 3,763 परिवारों ने बताया कि ऊँची जातियों के लोग उनके साथ भोजन नहीं करते और 3,238 परिवारों ने कहा कि वे, पुजारी जाति का हवाला देकर, उनके घर धार्मिक अनुष्ठान करने से मना कर देते हैं। आर्थिक और शैक्षिक स्थिति भी गंभीर है। सर्वे में शामिल 76 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कक्षा 12 से आगे पढ़ाई नहीं की, 15.6 प्रतिशत स्नातक और 8.1 प्रतिशत ही स्नातकोत्तर हैं। रिपोर्ट में इस शैक्षिक-आर्थिक अंतर को स्थायी गरीबी से जोड़ा गया है।

लगभग 94 प्रतिशत परिवारों ने कहा कि उन्हें शादी, खेती या बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लेना पड़ता है और केवल 27 प्रतिशत ही पक्के घरों में रहते हैं। कृषि और हस्तशिल्प में काम करने के बावजूद, लगभग आधे लोगों ने औद्योगिकीकरण और मशीनीकरण को आजीविका खत्म करने के लिए दोषी ठहराया। अन्य लोगों ने कहा कि श्रम कार्य के प्रति सामाजिक पूर्वाग्रह ने उन्हें बेरोज़गार कर दिया है।

अध्ययन के अनुसार, 50 प्रतिशत से अधिक ओबीसी परिवारों में महिलाएँ दिहाड़ी मज़दूरी या खेतिहर मज़दूरी करती हैं, जिससे पहले से हाशिए पर मौजूद समुदाय के भीतर उनकी स्थिति सबसे अधिक संवेदनशील है। रिपोर्ट ने उनके लिए लाड़ली बहना और लाड़ली बेटी जैसी योजनाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की है ताकि जाति और लिंग दोनों के असंतुलन को दूर किया जा सके।

सामाजिक बहिष्कार जीवन और मृत्यु के अनुष्ठानों में भी दिखता है। आधे से अधिक परिवारों ने कहा कि उच्च जाति के लोग उनके साथ घर का बना खाना नहीं खाते, और 38 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें पीने का पानी तक नहीं दिया जाता।

लगभग 61 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि ब्राह्मण पुजारी उनके समुदाय में अंतिम संस्कार या नामकरण संस्कार नहीं करते, और 52 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें धार्मिक शिक्षा नहीं लेने दी जाती है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि ये अलग-अलग शिकायतें नहीं हैं, बल्कि उस समाज के लक्षण हैं, जो आज भी जाति के आधार पर गरिमा पर नियंत्रण रखता है।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफ़नामे में मध्य प्रदेश सरकार ने तर्क दिया है कि ये आँकड़े इस बात का ठोस प्रमाण हैं कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) अब भी राज्य के सबसे वंचित सामाजिक समूहों में से एक है। सरकार ने ग्रामीण और शहरी, दोनों इलाकों में जातिगत अवरोधों को खत्म करने के लिए एक नई सामाजिक नीति, ढाँचे और निरंतर जनजागरूकता अभियानों व प्रशासनिक निगरानी की सिफारिश की है।

मध्य प्रदेश सरकार ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने की कोशिश कर रही है, जिससे राज्य में कुल आरक्षण सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत सीमा से अधिक हो जाएगा।

आईएमएफ भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालक की भूमिका निभाएगा। अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, जिससे निर्यात पर कुछ नकारात्मक असर पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था अपनी मजबूत घरेलू मांग के दम पर मजबूती से आगे बढ़ती रहेगी। घरेलू उपभोग अर्थव्यवस्था की कुल मांग का मुख्य हिस्सा है, जो इसे टिकाऊ बनाता है।

तुलनात्मक रूप से, विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएँ बहुत धीमी गति से बढ़ती हैं और माना जा रहा है कि ऊंचे टैरिफ का असर इन पर और ज्यादा पड़ेगा। ज्यादातर विकसित देश, खासकर यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य, अमेरिका और उसके बाजारों पर अत्यधिक निर्भर हैं।

आईएमएफ की "वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक" रिपोर्ट दुनिया की अर्थव्यवस्था की स्थिति और विभिन्न देशों की विकास दरों की तुलना पेश करती है। यह साफ तौर पर दिखाती है कि विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएँ धीमी पड़ रही हैं, जबकि भारत अपेक्षाकृत तेज़ गति से बढ़ रहा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के इस साल 3.2 प्रतिशत और 2025-26 में 3.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। विकसित देशों की वृद्धि दर मात्र 1.5 प्रतिशत और अमेरिका की 2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इससे स्पष्ट होता है कि डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी दबाव में आ रही है।

सौभाग्य से, एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है, जिनमें भारत सबसे शानदार सफलता के रूप में उभरने वाला है।

आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि भारत 2030 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा और उसके तुरंत बाद जर्मनी को भी पार कर जाएगा। इस तरह, भारत 2030 के शुरुआती दशक में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। निस्संदेह, यह भारत की मजबूत घरेलू मांग और उपभोग पर आधारित वृद्धि का परिणाम है।

'तुम लोगों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल होंगे और न ही अपने किसी प्रतिनिधि को भेजेंगे। साथ ही, उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से यह स्पष्ट करने और तत्काल घोषणा करने की मांग की है कि यदि एनडीए दोबारा सत्ता में आती है, तो मुख्यमंत्री वही (नीतीश) होंगे। नीतीश चाहते हैं कि यह संदेश "स्पष्ट और निर्विवादित रूप" में दिया जाए, सिर्फ यह बयान देना ही पर्याप्त नहीं कि चुनाव उनके (नीतीश) नेतृत्व में लड़ा जा रहा है। दूसरी ओर, मांझी और कुशवाहा भी अपनी उपेक्षा को लेकर भाजपा से नाराज़ बताए जा रहे हैं। जहाँ हम के बहुत से नेताओं ने सीट बंटवारा तय होने से पहले ही प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का रुख कर लिया था, वहीं, अब खबर है कि हम के कुछ अन्य सदस्य भी लगभग आधा दर्जन सीटों से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं।

चूँकि बिहार में एनडीए गठबंधन की अस्थिरता का असर केंद्र सरकार की स्थिरता पर भी पड़ सकता है। इसलिये भाजपा जल्द ही, विशेषकर, जेडीयू के साथ सीट बंटवारे पर पुनर्विचार की पहल कर सकती है। फिलहाल, यह समझौता अधूरा और संशोधनाधीन है।

मंगोलिया के लोगों को नि:शुल्क ई-वीज़ा

नयी दिल्ली, 14 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को मंगोलिया के विकास में मजबूत और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए, दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के मौके पर मंगोलिया के नागरिकों के लिए निशुल्क ई -वीजा की घोषणा की है।

मोदी ने भारत की यात्रा पर आए मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हुरेलसुख की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और रणनीतिक भागीदारी के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह वर्ष के बाद मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत आना अपने आप में एक बहुत विशेष अवसर है।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि भारत मंगोलिया के नागरिकों को नि:शुल्क ई-वीजा देगा और हर वर्ष मंगोलिया से युवा कल्चरल एम्बेसडर्स की भारत यात्रा की भी व्यवस्था करेगा।

इस अवसर पर दोनों नेताओं ने वृक्षारोपण भी किया। मोदी ने कहा , " राष्ट्रपति हुरेलसुख ने अपनी स्वर्गीय माताजी के नाम पर जो वटवृक्ष लगाया है, वह आने वाली कई पीढ़ियों तक हमारी गहरी मित्रता और पर्यावरण के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक रहेगा। "

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

Finance Partners: TVS CREDIT, IDFC FIRST Bank ALWAYS YOU FIRST, SHRIRAM Finance, HINDUJA LEYLAND FINANCE, TATA CAPITAL Two Wheeler Loans, Chola Enter a better life

* Applicable only on select models. ## Price benefit from revised GST rates on TVS Raider SX variant. ^ Offer applicable on TVS Sport only and cannot be clubbed with "Free Extended Warranty scheme". # Ex-showroom price of select variants in Rajasthan. Prices mentioned are applicable from 22nd September, 2025.
** Finance at the sole discretion of the financier. Accessories shown may not be part of the standard fitment. Limited period offer. T&C apply.

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com अधिकृत मुख्य विक्रेता : कोटा : हरमीत टीवीएस, झालावाड़ रोड़, फोन : 9116115516, हाड़ोती टीवीएस, 625 शास्त्री नगर दादाबरी, फोन : 9829209106, बूंदी : बिरला टीवीएस, ट्रक युनियन के सामने, बाईपास रोड, फोन : 8302235236, झालावाड : डांगी टीवीएस, संजीवनी हॉस्पिटल के पास, फोन : 9529672224, बांरा : शांति टीवीएस, कोटा रोड, फोन : 8696948536, अधिकृत विक्रेता : रावतभाटा : फोन : 9414330943, सुल्तानपुर, फोन : 8290926898, रामगंज मंडी : फोन : 9358701718, सांगोद : फोन: 9784674912, ईटावा : फोन : 8290926898, कुनहारी : फोन : 9529777706, खतोली : फोन : 9799217527, नैनंवा: फोन : 9414334240, तालेडा: फोन : 9928383837, देई : फोन : 8947003511, हिण्डोली : फोन 9982836082, लाखेरी : फोन: 9875094081, कापरेन : फोन : 9799036792, चेचट : फोन : 9509664137, ईकलेरा : फोन : 9414330269, केलवाड़ा : फोन : 9660696111, अटरू : फोन : 9414650293, सिमरानिया : फोन : 8770544626, असनावर : फोन : 9414330269, डग : फोन : 9784566467, रतलाई : फोन : 8290361122, भवानीमंडी : फोन : 9413808447, चोमेला फोन : 9784566467, बकानी फोन : 7742506120, छीपाबड़ोद : फोन : 9887542349, छबड़ा: फोन : 9799443603, पनवाड़: फोन : 9928542243, मनोहरथाना : फोन : 9414330269, पिड़ावा :फोन : 9929059967, सुनेल : फोन : 9001743564, खानपुर : फोन : 9414330269, रायपुर : फोन : 9414330269, अन्ता : फोन : 9829975786, सुल्तानपुर : फोन : 8290926898, मंगरोल फोन : 9351737537.

dentsu/ras kot/10/25

के.एस. मोटर्स प्रा. लि., एम. आई. रोड, जयपुर: 7574808728, वैशाली नगर, जयपुर : 07942530977, वी.के.आई. रोड नं. 5, जयपुर : 9783384408 (ब्रांच):- कोटपुतली: 8852884871, 9166409090, शाहपुरा: 9001238949, 9461671901, लालसोट: 9414570752, महुआ: 9829552732, बस्सी: 7574808728, दूदू: 9929236333, विराटनगर: 9929373114, बांदीकूई: 9414517132, जोबनेर: 8094582000, जैतपुरा: 9460466992, 9828150910, दौसा: 8233279427, 9414045855, ऑटो वर्ल्ड: (ब्रांच):- सवाईमाधोपुर: 8929653907, गंगापुरसिटी: 8929653907, टोंक: 8929653907, टोंक रोड, प्रतापनगर, जयपुर: 8929653907, राजा पार्क, जयपुर: 8929653907, जे.एस. फोरव्हील मोटर्स प्रा. लि.: अलवर, बहरोड़, करौली, भिवाड़ी : 9289464947, 9289464947, धौलपुर/भरतपुर: 9625374409, गहलोत मोटर्स प्रा. लि.: सीकर: 9414039978, 9983086958, श्रीमाधोपुर: 7412074594, झुंझुनूं: 9414059948, उदयपुरवाटी: 9414039952, चिड़ावा: 7412049988, खेतडी: 9983560927, नीम का थाना: 9414033482, बीकानेर मोटर्स प्रा. लि.: बीकानेर, चूरू, सुजानगढ़: 8527241179, के.एस. ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि.: उदयपुर: 7574808555, आईओसी पेट्रोल पम्प, गोवर्धन विलास, उदयपुर: 9001317899, बांसवाड़ा: 7727011069, 9773316278, 9773318630, 9773326964, 9950207844, डूंगरपुर: 9001297956, 8233009909, सागवाड़ा: 7726006927, 9929958164, चित्तौड़गढ़: 8003093548, 9001799790, 9773396753, 9116629684, प्रतापगढ़: 7727087373, 9001897397, रावतभाटा: 8233009810, आबूरोड़: 9116504111, 9928040209, सिरोही: 9929958177, 7727083939, 8529080964, भीलवाड़ा एग्रो ऑटो सर्विस (प्रा.) लि. : भीलवाड़ा/बिजोलिया: 8875016206, राजसमन्द/भीम: 8875016206, एवरग्रीन मोटर्स: कोटा: 9654126004, 9829029755, 8003099955, 7340052648, बूंदी: 9654126004, 9829226555, बारां: 9654126004, 9829226655, झालावाड़: 9654126004, 9928922755, परम ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. : पालरा इण्डस्ट्रीयल एरिया के पास, एनएच-8, जयपुर हाइवे बायपास, ग्राम सेन्दरिया, अजमेर मो.: 9205995747, एनएच-8, जयपुर रोड़, राधिका रिसोर्ट, जीवीके टोल प्लाजा के पास, किशनगढ मो.: 9205995747, 9521815789, नागौर ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि.: नागौर: 7291983310, 8003899701, (ब्रांच) मेड़ता : 7291983310, 9414119003, डेगाना : 7291983310, 9414603205, कुचामन सिटी : 7291983310, 9413385702, डीडवाना : 7291983310, 9829146228, छोटी खाटू : 8239343536, लाडनूं : 7291983310, 9314014841, वी. डी. मोटर्स प्रा. लि.: श्रीगंगानगर: 9672078697, 9672078696, 9414093025, 9672064445, सूरतगढ़: 9414093016, 9414093041, अनूपगढ़: 9414093027, हनुमानगढ़: 9672064447, 9214093020, 9672058886, 9636393042, 9636393024, रावतसर/पल्लू: 9214093016, 9672058883, नोहर: 8690993024, 8690993022, 9414093024, भादरा: 9672028889, 9214093020 (सीएसडी), 9414093025, ओ. एस. मोटर्स: जोधपुर: 9413078666, 7791960164, बासनी : 9784882022, बाड़मेर: 7023067805, बालोतरा: 9664251725, जैसलमेर: 7340105190, फलोदी: 9413660844, पाली: 9610078677, सुमेरपुर: 9784839760, जालौर: 9772708668, भीनमाल: 9829809490, सांचौर: 9602664390, जैतारन : 9024835145